unacademy

विगत वर्षों के प्रश्न

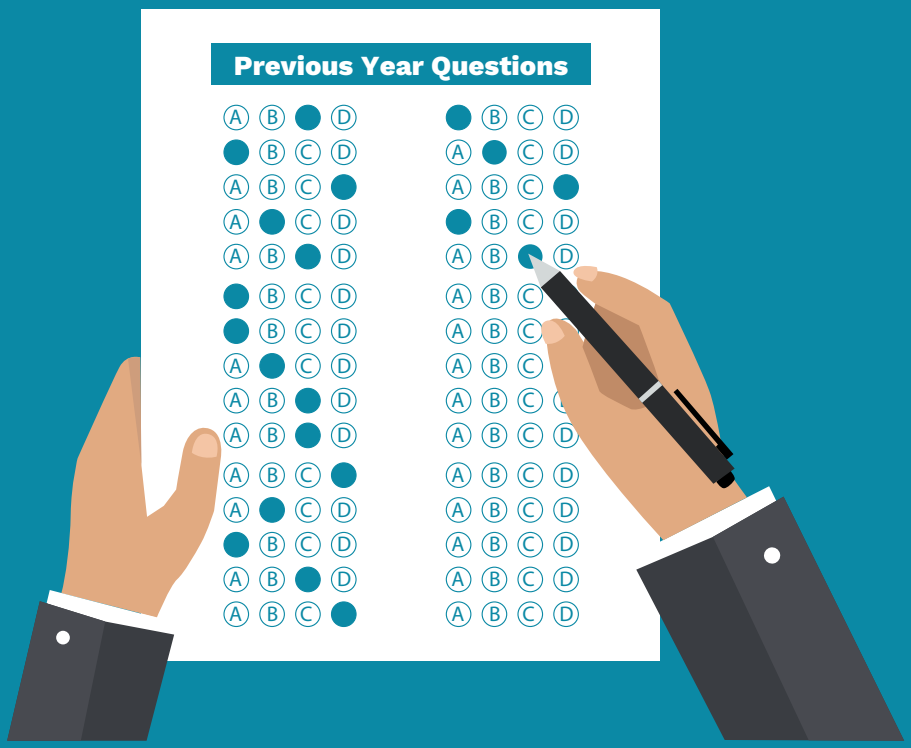

UPSC CSE प्रीलिम्स

विषयवार हल

सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र 1)

(2013-2024)

https://t.me/OTT_IAS (Type this name exactly to get free PCB12),

प्रस्तावना

संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी), भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस), भारतीय विदेश सेवा (आईएफएस), और भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) और अन्य केंद्रीय सेवाओं सहित भारत सरकार की विभिन्न सिविल सेवाओं में भर्ती के लिए प्रति वर्ष सिविल सेवा परीक्षा (सीएसई) आयोजित करता है।

दुनिया की सबसे कठिनतम परीक्षाओं में से एक, इसका लक्ष्य कठोर परीक्षण प्रक्रिया के माध्यम से सर्वश्रेष्ठ में से सर्वश्रेष्ठ का चयन करना है। नतीजतन, अभ्यर्थियों के लिए परीक्षा की तैयारी करना चुनौतीपूर्ण हो जाता है क्योंकि पूर्व वर्षों के प्रश्नपत्रों का विषय-वार एवं सटीक विश्लेषण और तैयारी के लिए आवश्यक मार्गदर्शन आसानी से उपलब्ध नहीं होता है।

इसलिए, Unacademy में हमने विषय-वार यूपीएससी प्रीलिम्स बुकलेट (2013-2023) डिज़ाइन की है, जिसमें पिछले दशक के प्रश्नों के साथ-साथ उत्तर और स्पष्टीकरण भी शामिल हैं।

जबकि इस पुस्तक की तैयारी में सटीकता सुनिश्चित करने का पूरा ध्यान रखा गया है। फिर भी, यदि कोई सुधार, प्रतिक्रिया या सुझाव है, तो हमें learnersupport.upsc@unacademy.com. पर ईमेल करें।

हम सटीक उत्तर कुंजी जारी करने के लिए अजीत शतपथी की अगुवाई वाली कंटेंट टीम द्वारा किए गए काम की सराहना करते हैं।

अनुज गर्ग

Director, Unacademy

डॉ. मृणाल पटेल

Senior Vice President, Unacademy

https://t.me/OTT_IAS (Type this name exactly to get free PCB12)

Table of Contents

Modern India 7

1. India in the 18th Century 8
2. Indian Renaissance and Reform Movements 15
3. Early Uprising Against the British and Revolt of 1857 21
4. Rise of Indian National Movement: Moderate and Extremists Phase 24
5. Phases of Revolutionary Nationalism 31
6. The Beginning of Gandhian Era 33
7. The National Movement in the 1940s 44
8. Development of Press, Education and Civil Services 49
9. Independence to Partition 51

Ancient INDIA 54

1. Prehistoric Period and Indus Valley Civilisation 55
2. Vedic and Later Vedic Age 59
3. Mauryan and Post-Mauryan Age 61
4. Gupta and Post- Gupta Age 71
5. Sangam Age 76

Medieval India 78

1. Delhi Sultanate (1206 AD to 1526 AD) 79
2. Mughal Empire (1526 AD to 1761 AD) 83
3. Provincial Kingdoms in Medieval India 86
4. Religious movement during medieval period 90

Art & Culture 92

1. Architecture and Sculpture 93
2. Literature: Religious and Scientific 99
3. Performing Arts: Dance, Theatre and Music 101
4. Visual Arts: Painting, ceramics and drawing 105
5. Indian Philosophy and Bhakti & Sufi Movements 107

unacademy.com | Download the Unacademy app
https://t.me/OTT_IAS (Type this name exactly to get free PCB12),
Give your feedback here: Link

6. Indian Traditions, Festivals, and Calendars 111
7. Miscellaneous 115

World Geography **119**
1. The Earth and the Universe 120
2. Geomorphology 127
3. Climatology 131
4. Oceanography 138
5. World Climatic Regions 144
6. Human and Economic Geography 148
7. World Map 150

Indian Geography **158**
1. Physiography of India 159
2. Drainage System of India 167
3. Indian Climate 174
4. Soils 176
5. Natural Vegetation in India 179
6. Mineral and Industries 183
7. Agriculture in India 188
8. Indian Map 196

Environment & Ecology and Disaster Management **204**
1. Protected Area Network: NP, WS, BR, etc. 205
2. Ecosystem and Ecology 210
3. Environmental Pollution 227
4. Biodiversity 240
5. Global Conservation Efforts 258
6. National Conservation Efforts 271
7. Climate Change: Causes and Implications 283
8. Environment, Sustainable Development and General Issues 292
9. Agriculture 301

unacademy.com | Download the Unacademy app
https://t.me/OTT_IAS (Type this name exactly to get free PCB12),
Give your feedback here: Link

Indian Polity and Governance **311**

1. Historical Background & Making of Indian Constitution 312
2. Features of the Indian Constitution 317
3. Legislature 336
4. Executive 359
5. Judiciary 368
6. Local Self Government 377
7. Governance 381
8. Constitutional and Non-constitutional Bodies 385
9. Judicial & Quasi-Judicial Bodies 390

International Relations **393**

10. India's Foreign Policy 394
11. India & Its Neighbors 396
12. International Groups and Political Organizations 398
13. Places in news (2022) 408

Indian Economy **415**

1. 1A1_ Money_ Barter to Bitcoins 416
2. 1B1: Bank Classification 421
3. 1B2: NPA, Bad-Loans, BASEL Question 439
4. 1C: Sharemarket, Companies Act 445
5. 1D1: Insurance, Pension, Financial inclusion 451
6. 2A1: Budget Direct Taxes 457
7. 2A2: Budget Indirect Taxes GST 461
8. 2BC: Finance Commission, BlackMoney, Subsidies 463
9. 3A: BoP, CAD Currency Exchange 467
10. 3B: WTO, IMF & other International Organisations & Agreeements 486
11. 4A: Sectors of Economy- Agri 494
12. 4B: Sectors- MFG, Services, Ease of Doing Biz, IPR, Startup, MSME 504
13. 4C: NITI, Planning Commission, FYP, Unemployment 509
14. 4D: GDP, GNP 515

unacademy.com | Download the Unacademy app
https://t.me/OTT_IAS (Type this name exactly to get free PCB12),
Give your feedback here: Link

15. 4E: Inflation 519
16. 5A: Infra: Energy 526
17. 5B: Infra: Transport, Urban Rural, Communication, Investment, PPP 532
18. 6A: HRD: Census, Health Hunger 537
19. 6B: HRD: Education and Skill 541
20. 6C: HRD: POVERTY 545
21. 6D: HRD: Weaker Section, HDI, SDG Question 547
22. 7: MicroEconomics 551

Science & Tech and Basic Science **553**
23. Biotechnology 554
24. Defence Technology 567
25. Space Science 569
26. IT & Communication Technology 579
27. Energy 588
28. Miscellaneous 593
29. Physics 603
30. Chemistry 610
31. Biology 612

Current Affairs and Miscellaneous **622**
32. Current Affairs: India 623
33. Current Affairs: World 662
34. GK/Persons in News 683
35. Miscellaneous 687

unacademy.com | Download the Unacademy app
https://t.me/OTT_IAS (Type this name exactly to get free PCB12),
Give your feedback here: Link

1 MODERN INDIA

https://t.me/OTT_IAS (Type this name exactly to get free PCB12),

1 India in the 18th Century

1. **कॉर्नवालिस द्वारा राजस्व संग्रहण के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए: (2024)**

   1. राजस्व संग्रहण के रैयतवाड़ी बंदोबस्त के अधीन, किसानों को फसल खराब होने या प्राकृतिक आपदाओं की स्थिति में राजस्व भुगतान से छूट दी गई थी।
   2. बंगाल स्थायी बंदोबस्त के अधीन, यदि जमींदार नियत तिथि पर या उससे पहले राज्य को राजस्व का भुगतान करने में विफल रहता, तो उसे उसकी जमींदारी से हटा दिया जाता ।

   उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/कौन-से सही है/हैं?

   (a) केवल 1

   (b) केवल 2

   (c) 1 और 2 दोनों

   (d) न तो 1, न ही 2

2. **मध्यकालीन गुजरात के इनमे से किस एक शासक ने दियु को पुर्तगालियों के सुपुर्द कर दिया? (2023)**

   (a) अहमद शाह

   (b) महमूद बेगढ़ा

   (c) बहादुर शाह

   (d) मुहम्मद शाह

3. **निम्नलिखित में से किस एक एक्ट द्वारा बंगाल के गवर्नर जनरल को भारत के गवर्नर जनरल के रूप में नामित किया गया था? (2023)**

   (a) रेगुलेटिंग एक्ट

   (b) पिट्स इंडिया एक्ट

   (c) 1793 का चार्टर एक्ट

   (d) 1833 का चार्टर एक्ट

4. **भारतीय इतिहास के संदर्भ में, अलेक्ज़ेंडर री, ए० एच० लॉन्गहर्स्ट, रॉबर्ट स्वेल, जेम्स बर्गेस और वाल्टर इलियट किस गतिविधि से जुड़े थे? (2023)**

   (a) पुरातात्त्विक उत्खनन

   (b) औपनिवेशिक भारत में अंग्रेजी प्रेस की स्थापना

   (c) देशी रजवाड़ों में गिरजाघरों की स्थापना

   (d) औपनिवेशिक भारत में रेल का निर्माण

5. **भारतीय इतिहास के सन्दर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए: (2022)**

   1. डच लोगों ने पूर्वी तटीय क्षेत्रों में गजपति शासको द्वारा प्रदान की गई जमीनों पर अपनी फैक्टरियाँ/गोदाम स्थापित किए ।
   2. अल्फोंसो दे अलबुकर्क ने बीजापुर सल्तनत से गोआ को छीन लिया था।
   3. अंग्रेज़ी ईस्ट इंडिया कंपनी ने मद्रास में विजयनगर साम्राज्य के एक प्रतिनिधि से पट्टे पर ली गई जमीन के एक प्लॉट पर फैक्टरी स्थापित की थी।

   उपर्युक्त कथनों में कौन-से सही हैं?

   (a) केवल 1 और 2

   (b) केवल 2 और 3

   (c) केवल 1 और 3

   (d) 1, 2 और 3

6. **सत्रहवीं शताब्दी के पहले चतुर्थांश में, निम्नलिखित में से कहाँ इंग्लिश ईस्ट इंडिया कंपनी का/के कारखाना/ कारखाने स्थित था/थे? (2021)**

   1. भरूच
   2. चिकाकोल
   3. त्रिचिनोपोली

   नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए।

   (a) केवल 1

   (b) 1 और 2

   (c) केवल 3

   (d) 2 और 3

7. **निम्नलिखित में से कौन-सा कथन औद्योगिक क्रान्ति के द्वारा उन्नीसवीं शताब्दी के पूर्वार्ध में भारत पर पड़े प्रभाव की सही**

unacademy.com | Download the Unacademy app
https://t.me/OTT_IAS (Type this name exactly to get free PCB12),
Give your feedback here: Link

व्याख्या करता है? (2020)

(a) भारतीय दस्तकारी-उद्योग नष्ट हो गए थे।

(b) भारत के वस्त्र-उद्योग में मशीनों का बड़ी संख्या में प्रवेश हुआ था।

(c) देश के अनेक भागों में रेलवे लाइनें बिछाई गई थीं।

(d) ब्रिटिश उत्पादन के आयात पर भारी शुल्क लगाया गया था।

8. भारत के इतिहास के संदर्भ में, निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए : (2020)

1. औरंग – राजकोष का प्रभारी
2. बेनियान – ईस्ट इंडिया कंपनी का भारतीय एजेंट
3. मिरासिदार – राज्य का नामित राजस्व दाता

उपर्युक्त युग्मों में से कौन-सा/से सही सुमेलित है/हैं ?

(a) केवल 1 और 2

(b) केवल 2 और 3

(c) केवल 3

(d) 1, 2 और 3

9. वेलेजली ने कलकत्ता में फ़ोर्ट विलियम कॉलेज की स्थापना किस लिए की थी? (2020)

(a) उसे लंदन में स्थित बोर्ड ऑफ़ डायरेक्टर्स ने ऐसा करने के लिए कहा था।

(b) वह भारत में प्राच्य ज्ञान के प्रति अभिरुचि पुनः जाग्रत करना चाहता था।

(c) वह विलियम कैरी तथा उसके सहयोगियों को रोज़गार प्रदान करना चाहता था।

(d) वह ब्रिटिश नागरिकों को भारत में प्रशासन हेतु प्रशिक्षित करना चाहता था।

10. निम्नलिखित में से कौन-सा एक पादप-समूह 'नवीन विश्व' में कृषि योग्य बनाया गया तथा इसका 'प्राचीन विश्व' में प्रचलन शुरू किया गया? (2019)

(a) तंबाकू, कोको और रबड़

(b) तंबाकू, कपास और रबड़

(c) कपास, कॉफी और गन्ना

(d) रबड़, कॉफी और गेहूं

11. '1813 के चार्टर अधिनियम' के बारे में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए: (2019)

1. इसने भारत में ईस्ट इंडिया कम्पनी के व्यापार एकाधिपत्य को, चाय का व्यापार तथा चीन के साथ व्यापार को छोड़कर, समाप्त कर दिया।
2. इसने कम्पनी द्वारा अधिकार में लिए गए भारतीय राज्यक्षेत्रें पर ब्रिटिश राज (क्राउन) की सम्प्रभुता को सुदृढ़ कर दिया।
3. भारत का राजस्व अब ब्रिटिश संसद के नियंत्रण में आ गया था।

उपर्युक्त में से कौन-से कथन सही हैं?

(a) केवल 1 और 2

(b) केवल 2 और 3

(c) केवल 1 और 3

(d) 1, 2 और 3

12. 18वीं शताब्दी के मध्य इंग्लिश ईस्ट इंडिया कम्पनी के द्वारा बंगाल से निर्यातित प्रमुख पण्यपदार्थ (स्टेपल कमोडिटीज़) क्या थे? (2018)

(a) अपरिष्कृत कपास, तिलहन और अफीम

(b) चीनी, नमक, जस्ता और सीसा

(c) तांबा, चांदी, सोना, मसाले और चाय

(d) कपास, रेशम, साल्टपीटर और अफीम

13. लॉर्ड वेलेस्ली द्वारा शुरू की गई सहायक गठबंधन की प्रणाली पर निम्नलिखित में से कौन सा कथन लागू नहीं होता है? (2018)

(a) दूसरों के खर्च पर एक बड़ी स्थायी सेना बनाए रखना

(b) भारत को नेपोलियन के खतरे से सुरक्षित रखना

(c) कंपनी के लिए एक निश्चित आय सुरक्षित करना

(d) भारतीय राज्यों पर ब्रिटिश सर्वोच्चता स्थापित करना

14. निम्नलिखित में से कौन ब्रिटिश शासन के दौरान भारत में रैयतवाड़ी बंदोबस्त की शुरुआत से जुड़ा/जुड़े था/थे? (2017)

1. लॉर्ड कार्नवालिस
2. अलेक्जेंडर रीड
3. थॉमस मुनरो

unacademy.com | Download the Unacademy app
https://t.me/OTT_IAS (Type this name exactly to get free PCB12),
Give your feedback here: Link

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए:

(a) केवल 1

(b) केवल 1 और 3

(c) केवल 2 और 3

(d) 1, 2 और 3

15. निम्नलिखित पर विचार कीजिए: (2012)

1. भूमि की प्रकृति और फसलों की गुणवत्ता के आधार पर भू-राजस्व का आकलन।
2. युद्ध में गतिशील तोपों का प्रयोग।
3. तंबाकू और लाल मिर्च की खेती।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से भारत में अंग्रेजों द्वारा लाया गया था/लाये गए थे?

(a) केवल 1

(b) केवल 1 और 2

(c) केवल 2 और 3

(d) कोई भी नहीं

16. रैयतवाड़ी बंदोबस्त के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए: (2012)

1. लगान का भुगतान किसानों द्वारा सीधे सरकार को किया जाता था।
2. सरकार ने रैयतों को पट्टे दिए।
3. कर लगाने से पहले भूमि का सर्वेक्षण और मूल्यांकन किया गया था।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 1 और 2

(c) 1, 2 और 3

(d) इनमे से कोई भी नहीं

17. 1793 में लार्ड कार्नवालिस की भू-व्यवस्था प्रणाली लागू होने के बाद कानूनी विवादों की प्रवृत्ति में बढ़ोतरी देखी गई थी। निम्नलिखित प्रावधानों में किस एक को सामान्यतया इसके कारक के रूप में जोड़कर देखा जाता है? (2011)

(a) रैयत की तुलना में जमींदार की स्थिति को अधिक सशक्त बनाना

(b) ईस्ट इंडिया कंपनी को जमींदारों का अधिपति बनाना

(c) न्यायिक पद्धति को अधिक कार्यकुशल बनाना

(d) उपर्युक्त (a) (b) तथा (c) कथनों में से कोई भी सही नहीं है

unacademy.com | Download the Unacademy app
https://t.me/OTT_IAS (Type this name exactly to get free PCB12),
Give your feedback here: Link

1 India in the 18th Century-Explanation

1. **उत्तर: (b)**

कथन 1 सही नहीं है: राजस्व संग्रह के लिए रैयतवारी बंदोबस्त के तहत, किसानों को खराब फसल या प्राकृतिक आपदाओं की स्थिति में भी राजस्व का भुगतान करने के लिए बाध्य किया गया था।

कथन 2 सही है: ज़मींदार भूमि बेच सकते थे, गिरवी रख सकते थे या हस्तांतरित कर सकते थे, अपने अधिकारों और कर्तव्यों को वंशजों को दे सकते थे। हालाँकि, 1794 में पेश किए गए ‹सनसेट क्लॉज़› में यह निर्धारित किया गया था कि यदि कर का भुगतान एक विशिष्ट सूर्यास्त समय सीमा तक नहीं किया जाता है, तो सरकार ज़मींदारी को जब्त कर लेगी और नीलाम कर देगी, जिससे उसके अधिकार नए मालिक को हस्तांतरित हो जाएँगे।

2. **उत्तर: (c)**

1534 में बहादुर शाह ने पुर्तगालियों के साथ बेसिन की संधि पर हस्ताक्षर किये। इसके द्वारा, उन्होंने दियु के साथ-साथ अपने साम्राज्य के अन्य क्षेत्रों जैसे वसई और द्वीपों को भी पुर्तगालियों के सुपुर्द कर दिया जो आज मुंबई का निर्माण करते हैं।

3. **उत्तर: (d)**

भारत सरकार अधिनियम 1833 या चार्टर अधिनियम 1833 ब्रिटिश संसद का एक अधिनियम था, जिसे बाद में सेंट हेलेना अधिनियम 1833 नाम दिया गया। इसने ईस्ट इंडिया कंपनी को दिए गए चार्टर को आगामी 20 वर्षों के लिए बढ़ा दिया। ब्रिटिश भारतीय सरकार को पुनर्गठित किया।

1833 के चार्टर एक्ट के प्रावधान

- बंगाल के गवर्नर-जनरल, का नाम बदलकर भारत का गवर्नर-जनरल कर दिया गया। इसने सर विलियम बेंटिक को भारत का पहला गवर्नर जनरल बनाया।
- इस प्रकार देश का प्रशासन एक प्रशासन के अंतर्गत एकीकृत हो गया।
- बंबई और मद्रास के राज्यपाल विधायी शक्ति से वंचित हो गये ।
- गवर्नर-जनरल के पास संपूर्ण ब्रिटिश भारत पर विधायी शक्ति थी।
- परिषद के गवर्नर-जनरल के पास ब्रिटिश भारतीय क्षेत्र के भीतर सभी व्यक्तियों और स्थानों को प्रभावित करने वाले कानूनों को बदलने, निरस्त करने या संशोधित करने की शक्ति है, चाहे वे ब्रिटिश हों, विदेशी हों या भारतीय हों।
- कंपनी के नागरिक और सैन्य मामलों का प्रबंधन काउंसिल के गवर्नर-जनरल द्वारा किया जाता था।
- गवर्नर की परिषद में उसके लिए 4 सदस्यों की आवश्यकता है। चौथे सदस्य के पास सीमित शक्तियाँ थीं।
- पहली बार गवर्नर-जनरल की सरकार को भारत सरकार कहा गया और परिषद को भारत की परिषद कहा गया।

4. **उत्तर: (a)**

- अलेक्जेंडर री: वह एक पुरातत्वविद् थे जिन्होंने ब्रिटिश भारत में पुरातत्व के महानिदेशक के रूप में कार्य किया। री ने भारत के विभिन्न क्षेत्रों में खुदाई और सर्वेक्षण किए, जिनमें तक्षशिला और अमरावती जैसे प्राचीन स्थल भी शामिल थे। उन्होंने भारतीय इतिहास और कला को समझने में महत्वपूर्ण खोजें और योगदान दिया।
- ए० एच० लॉन्गहर्स्ट: ए० एच० लॉन्गहर्स्ट एक पुरातत्वविद् और कला इतिहासकार थे, जो भारतीय वास्तुकला और मूर्तिकला के अध्ययन में विशेषज्ञ थे। उन्होंने भारत में ऐतिहासिक स्थलों और स्मारकों का व्यापक शोध और दस्तावेज़ीकरण किया। लॉन्गहर्स्ट ने भारतीय कला और वास्तुकला पर कई किताबें और प्रकाशन लिखे।
- रॉबर्ट स्वेल: रॉबर्ट स्वेल एक ब्रिटिश सिविल सेवक और इतिहासकार थे। उन्हें विजयनगर साम्राज्य के इतिहास और प्रशासन पर उनके काम के लिए जाना जाता है। स्वेल की पुस्तक, "ए फॉरगॉटन एम्पायर: विजयनगर - ए कंट्रीब्यूशन टू द हिस्ट्री ऑफ इंडिया" को इस विषय पर एक मौलिक कार्य माना जाता है।
- जेम्स बर्गेस: जेम्स बर्गेस एक स्कॉटिश पुरातत्वविद् और पुरालेखविद् थे जिन्होंने भारतीय पुरातात्विक स्थलों के दस्तावेज़ीकरण और संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने भारत के विभिन्न क्षेत्रों में खुदाई और सर्वेक्षण किए और भारतीय इतिहास, वास्तुकला और संस्कृति को समझने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।
- वाल्टर इलियट: वाल्टर इलियट एक ब्रिटिश प्रशासक और राजनीतिज्ञ थे जिनकी पुरातत्व में भी गहरी रुचि थी। उन्होंने भारत के विभिन्न हिस्सों, विशेषकर तमिलनाडु क्षेत्र में पुरातात्विक खुदाई की। इलियट के कार्य ने दक्षिण भारत में ऐतिहासिक स्थलों की खोज और संरक्षण में योगदान दिया।

इन व्यक्तियों ने भारतीय इतिहास और पुरातत्व के अध्ययन में महत्वपूर्ण योगदान दिया, जिससे देश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को उजागर करने और दस्तावेजीकरण करने में मदद मिली।

5. **उत्तर: (b)**

कथन 1 गलत है: डचों द्वारा स्थापित पहला कारखाना 1605 में मसूलीपट्टनम में था, जबकि गजपति शासन 16वीं शताब्दी के मध्य

unacademy.com | Download the Unacademy app
https://t.me/OTT_IAS (Type this name exactly to get free PCB12),
Give your feedback here: Link

तक चला।

कथन 2 सही है: अल्बुकर्क ने 1510 में बीजापुर के सुल्तान से गोवा का अधिग्रहण किया। **कथन 3 सही है।** विजयनगर के शासकों ने अपने क्षेत्रों में स्वतंत्र रूप से शासन करने के लिए नायक नामक सरदारों को नियुक्त किया । दारमाला वेंकटाद्री नायक आज चेन्नई के प्रभारी थे । उन्होंने अंग्रेजों को जमीन दी जिस पर उन्होंने ब्रिटिश कारखाने के श्रमिकों और व्यापारियों की बस्ती स्थापित की।

6. उत्तर: (a)

विकल्प (a) सही है: अंग्रेजी ईस्ट इंडिया कंपनी की भारत में बहुत ही विनम्र शुरुआत थी। अप्रैल 1609 में ही कैप्टन हॉकिन्स जहांगीर के दरबार में पहुंचे। लेकिन पुर्तगालियों के विरोध के कारण सूरत में एक कारखाना स्थापित करने का मिशन सफल नहीं हुआ और हॉकिन्स ने नवंबर 1611 में आगरा छोड़ दिया।

1623 तक इसने सूरत, ब्रोच, अहमदाबाद, आगरा और मसूलीपट्टम में कारखाने (व्यापारिक पोस्ट) स्थापित कर लिए थे। शुरू से ही इसने व्यापार और कूटनीति को युद्ध और उस क्षेत्र के नियंत्रण के साथ जोड़ने का प्रयास किया जहां उसके कारखाने स्थित थे।

ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी के कारखाने 17वीं शताब्दी की पहली तिमाही में चिकाकोल और त्रिचिनोपोली में स्थित नहीं थे।

7. उत्तर: (a)

18वीं शताब्दी की शुरुआत में भारत वस्त्रों का एक प्रमुख निर्यातक था, लेकिन 19वीं शताब्दी के मध्य तक इसने अपने सभी निर्यात बाजार और अपने अधिकांश घरेलू बाजार को खो दिया था। औद्योगिक क्रांति की शुरुआत में, इंग्लैंड में कपास उद्योग विकसित हुए जिससे औद्योगिक समूहों को अन्य देशों से आयात केरे में चिंता हुई। सरकार पर सूती वस्त्रों पर आयात शुल्क लगाने का दबाव डाला गया ताकि मैनचेस्टर का सामान ब्रिटेन में बिना किसी बाहरी प्रतिस्पर्धा के बिक सके।

विकल्प (a) सही है: उसी समय में, ईस्ट इंडिया कंपनी को भी उद्योगपतियों द्वारा भारतीय बाजारों में भी ब्रिटिश उत्पादों को बेचने के लिए राजी किया गया था। उन्नीसवीं शताब्दी की शुरुआत में ब्रिटिश सूती सामानों के निर्यात में नाटकीय रूप से वृद्धि हुई और सूती बुनकरों का निर्यात बाजार ध्वस्त हो गया। कम लागत पर मशीनों द्वारा उत्पादित, आयातित कपास के सामान इतने सस्ते थे कि बुनकर आसानी से उनका मुकाबला नहीं कर सकते थे। 1850 के दशक तक, भारत के अधिकांश बुनाई क्षेत्रों की रिपोर्टों में गिरावट और मायूसी की कहानियां व्यक्त की गईं। इस प्रकार, औद्योगिक क्रांति के प्रभावों में से एक यह था कि भारतीय हस्तशिल्प बर्बाद हो गए ।

निरसन तकनीक

औद्योगिक क्रांति के कारण भारतीय हस्तशिल्प नष्ट हो गए थे और दूसरा कोई तरीका नहीं था। मशीनों को बाद में पेश किया गया था। रेलवे लाइन ब्रिटेन में औद्योगीकरण के समर्थन के लिए थी।

8. उत्तर: (b)

युग्म 1 सुमेलित नही है: औरंग, एक गोदाम के लिए एक फारसी शब्द - एक जगह जहां माल बेचने से पहले एकत्र किया जाता है। शब्द एक कार्यशाला को भी संदर्भित करता है।

युग्म 2 सही सुमेलित है: 18 वीं और 19 वीं शताब्दी में स्थानीय बाजारों और भाषाओं की विशेषज्ञता वाले बिचौलियों का उपयोग यूरोपीय व्यापारियों द्वारा सामना की जाने वाली भाषाई कठिनाइयों और सांस्कृतिक बाधाओं के कारण आम हो गया, यूरोपीय व्यापारियों ने पूरे एशिया और लैटिन अमेरिका, अफ्रीका में व्यापार मार्गों को खोला और उनकी जड़ों को मजबूत किया। आंग्ल-भारतीय व्यापार में बिचौलियों, जिन्हें 'बैनियान कहा जाता है, ने व्यापारिक कंपनियों के लिए विभिन्न आंतरिक और बाहरी भूमिकाओं को पूरा किया, जिसमें ट्रेजरी कार्यों का प्रबंधन, क्रेडिट हासिल करना और स्थानीय बाजारों में दलालों के रूप में कार्य करना शामिल है। वे दुभाषिया, प्रधान मुनीम, प्रधान सचिव, प्रधान दलाल, नकदी के आपूर्तिकर्ता और नकदी रखने वाले थे। साथ ही, इन्हें ईस्ट इंडिया कंपनी के भारतीय एजेंट के रूप में जाना जाता था।

युग्म 3 सही सुमेलित है: रैयतवाड़ी बंदोबस्त प्रणाली के तहत, सरकार ने मिरासिदारों को भूमि के एकमात्र मालिक के रूप में मान्यता दी और किरायेदारों के अधिकारों को पूरी तरह से खारिज कर दिया। मिरासिदार राज्य के लिए नामित राजस्व दाता थे। केवल उन गांवों में जहां मीरासीदार प्रणाली अनुपस्थित थी, स्थायी दख़ल अधिकार रखने वाले ग्रामीणों को भू-राजस्व के भुगतान के लिए जिम्मेदार भूमिधारक के रूप में मान्यता दी गई थी।

9. उत्तर: (d)

विकल्प (d) सही है: फोर्ट विलियम कॉलेज की स्थापना 18 अगस्त 1800 को बंगाल के गवर्नर जनरल लॉर्ड रिचर्ड वेलेजली द्वारा ईस्ट इंडिया कंपनी के नागरिक और सैन्य अधिकारियों को भारत की स्थानीय भाषाओं में निर्देश प्रदान करने के लिए की गई थी। इसका नाम इंग्लैंड के राजा विलियम III के नाम पर रखा गया था। इसका उद्देश्य भारत में प्रशासनिक उद्देश्यों के लिए ब्रिटिश नागरिकों को भारतीय भाषाओं को बढ़ावा देने और ब्रिटिश अधिकारियों को स्थानीय भाषाओं से परिचित कराने के लिए प्रशिक्षित करना था ताकि यह प्रशासनिक कार्य को आसान बना सके, क्योंकि प्रशासनिक कार्यों में भारतीय मूल निवासियों के साथ संवाद शामिल था।

unacademy.com | Download the Unacademy app
https://t.me/OTT_IAS (Type this name exactly to get free PCB12),
Give your feedback here: Link

10. उत्तर: (a)

नवीन और प्राचीन विश्व को अक्सर कृषि फसलों के संदर्भ में उद्धृत किया जाता है। यूरोप, एशिया और अफ्रीका एक साझा कृषि इतिहास साझा करते हैं, जो नवपाषाण क्रांति से उत्पन्न हुआ था। तीन महाद्वीपों ने आम घरेलू पादपों को साझा किया, जिससे उन्हें एक साथ एक समूह के रूप में निर्मित करना आसान हो गया।

विकल्प (a) सही है : प्राचीन विश्व की फसलों में गेहूं, राई, जई, दाल और जौ शामिल हैं। ऐसी फसलें अमेरिका में तब तक मौजूद नहीं थीं, जब तक कि 1490 के दशक में पूर्व-कोलंबियाई संपर्क द्वारा उनका परिचय नहीं दिया गया। प्रसिद्ध नई दुनिया की फसलों में रबर, तंबाकू, सूरजमुखी, कोको और काजू शामिल हैं। माना जाता है कि कुछ पौधे जैसे कपास और रतालू के साथ-साथ कुत्ते जैसे कुछ जानवर दोनों दुनिया में मौजूद थे।

11. उत्तर: (a)

ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी के चार्टर को नवीनीकृत करने के लिए ब्रिटिश संसद ने चार्टर अधिनियम 1813 पारित किया, जिसे ईस्ट इंडिया कंपनी अधिनियम 1813 के रूप में भी जाना जाता है। अधिनियम ने सभी ब्रिटिश व्यापारियों को सख्त लाइसेंस प्रणाली के तहत भारत के साथ व्यापार करने की अनुमति देकर इन शिकायतों का निवारण करने की मांग की।

1813 के चार्टर अधिनियम के प्रमुख प्रावधान:

- इस अधिनियम ने क्षेत्रीय और वाणिज्यिक खातों को अलग रखने के लिए कहकर कंपनी के क्षेत्रीय राजस्व और वाणिज्यिक लाभ को नियंत्रित किया।
- भारत में व्यापार पर कंपनी का एकाधिकार समाप्त हो गया, लेकिन कंपनी ने चीन के साथ व्यापार और चाय में व्यापार को बरकरार रखा। **(कथन 1 सही है)**
- कंपनी को क्राउन की संप्रभुता पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, 20 वर्षों तक प्रदेशों और राजस्व का कब्जा बरकरार रखना था। इस प्रकार, भारत में ब्रिटिश क्षेत्रों की संवैधानिक स्थिति को पहली बार स्पष्ट रूप से परिभाषित किया गया था। **(कथन 2 सही है और कथन 3 सही नहीं है)**
- एक प्रावधान का प्रस्ताव भी रखा गया था जिसके अनुसार कंपनी को हर साल 1 लाख रुपये भारतीयों की शिक्षा पर खर्च करने थे।
- इस अधिनियम के तहत स्थानीय सरकारों को सर्वोच्च न्यायालय के अधिकार क्षेत्र के अधीन व्यक्तियों पर कर लगाने का अधिकार दिया गया था।

निरसन तकनीक

कथन 1 और **कथन 2** लगभग संबंधित हैं।

12. उत्तर: (d)

विकल्प (d) सही है: एक शक्तिशाली पूंजीवादी अर्थव्यवस्था के उद्भव के लिए महत्वपूर्ण, ब्रिटिश-भारतीय क्षेत्र को ब्रिटेन के लिए भोजन और कच्चे माल के स्रोत के रूप में विकसित किया गया था। 1750 के दशक में, भारत से यूरोप, एशिया और अफ्रीका के बाजारों में महीन कपास और रेशम का निर्यात किया जाता था। इसके अलावा, कच्चा माल जिसमें मुख्य रूप से शोरा, अफीम और नील शामिल थे। यही भारत के अधिकांश निर्यात में शामिल थे।

निरसन तकनीक

प्रश्न में विकल्पों को आसानी से हटाया जा सकता है।

- बंगाल, चीनी या गन्ना और नमक का उत्पादक क्षेत्र नहीं था। विकल्प (b) को हटाया जा सकता है।
- मसालों की किस्मों का अधिकांश उत्पादन दक्षिणी भारतीय राज्यों में होता था। दक्षिण भारत के राज्य आज भी मसालों के उत्पादन के लिए जाने जाते हैं। मसाला उत्पादन या या उसके निर्यात के लिए बंगाल कम महत्वपूर्ण है। इसलिए, विकल्प (c) को आसानी से हटाया जा सकता है।
- ब्रिटिश काल में तिलहन उत्पादन या निर्यात के लिए भी बंगाल महत्वपूर्ण नहीं था। इसलिए, विकल्प (a) को भी आसानी से हटाया जा सकता है।
- हम विकल्प (d) को सही उत्तर के रूप में चिह्नित कर सकते हैं।

13. उत्तर: (c)

सहायक गठबंधन का सिद्धांत 1798 से 1805 तक भारत में ब्रिटिश गवर्नर-जनरल लॉर्ड वेलेस्ली द्वारा पेश किया गया था। सहायक गठबंधन प्रणाली के तहत, सहयोगी भारतीय राज्य का शासक अपने क्षेत्र के भीतर एक ब्रिटिश सेना की स्थायी तैनाती को स्वीकार करने के लिए बाध्य था और इसके रखरखाव के लिए सब्सिडी का भुगतान करने के लिए भी सहमत था।

विकल्प (c) सही है: सहायक गठबंधन की कुछ महत्वपूर्ण विशेषताएं हैं, दूसरों के खर्च पर एक बड़ी स्थायी सेना बनाए रखना, भारत को नेपोलियन के खतरे से सुरक्षित रखना, भारतीय राज्यों पर ब्रिटिश सर्वोच्चता स्थापित करना, आदि। कंपनी इसका हिस्सा नहीं थी।

14. उत्तर: (c)

विकल्प (c) सही है: रैयतवाड़ी प्रणाली 18 वीं शताब्दी के अंत में कैप्टन अलेक्जेंडर रीड और सर थॉमस मुनरो द्वारा तैयार की गई थी और मुनरो द्वारा आरंभ की गई जब वह मद्रास प्रेसीडेंसी (1819–26)

unacademy.com | Download the Unacademy app
https://t.me/OTT_IAS (Type this name exactly to get free PCB12),
Give your feedback here: Link

के गवर्नर थे।

इस प्रणाली में, स्वामित्व के अधिकार किसानों को सौंप दिए गए, और ब्रिटिश सरकार उनसे सीधे कर वसूल करती थी। किसानो(रैयत) के पास भूमि की बिक्री, हस्तांतरण और पट्टे पर देने के संबंध में पूर्ण अधिकार थे।

जब तक वे लगान अदा करते हैं, रैयतों को उनकी जमीन से बेदखल नहीं किया जा सकता था। यह अधिकांश दक्षिणी भारत में प्रचलित था, पहली बार तमिलनाडु में पेश किया गया था। बाद में इसे महाराष्ट्र, बरार, पूर्वी पंजाब, कुर्ग और असम तक बढ़ा दिया गया। इस प्रणाली का लाभ बिचौलियों का सफाया था, जो अक्सर ग्रामीणों पर अत्याचार करते थे।

15. उत्तर: (d)

कथन 1 सही नहीं है: मिट्टी की प्रकृति और फसलों की गुणवत्ता के आधार पर भू-राजस्व का आकलन शेर शाह सूरी द्वारा भारत में पेश किया गया था और अकबर द्वारा इसे और युक्तिसंगत बनाया गया था।

कथन 2 सही नहीं है: युद्ध में गतिशील तोपों का प्रयोग सबसे पहले बाबर ने किया था।

कथन 3 सही नहीं है: तम्बाकू और लाल मिर्च की खेती मुगल काल के दौरान शुरू हुई थी और ये फसलें मूल रूप से दक्षिण अमेरिका से आई थीं।

निरसन तकनीक

- यह सर्वविदित है कि भारत में चाय की शुरुआत अंग्रेजों ने की थी। इसलिए, **कथन 3** या विकल्प (c) को आसानी से हटाया जा सकता है।
- अगर हम याद कर सकते हैं, भारत में ब्रिटिश काल-मोबाइल कैनन का उपयोग कहीं भी उल्लेखित नहीं किया गया है। यानी विकल्प (b) को भी आसानी से हटाया जा सकता है।
- भू-राजस्व का आकलन फसल और मृदा की गुणवत्ता पर आधारित था, जो मुगल के दौरान पेश किया गया था। इसलिए, विकल्प (a) को भी हटाया जा सकता है।
- हम विकल्प (d) को सही उत्तर के रूप में चिह्नित कर सकते हैं।

16. उत्तर: (c)

कथन 1 सही है: ब्रिटिश भारत में राजस्व संग्रह के तीन प्रमुख तरीकों में से एक व्यवस्था रैयतवाड़ी व्यवस्था थी। मद्रास प्रेसीडेंसी की मानक प्रणाली होने के कारण यह अधिकांश दक्षिणी भारत में प्रचलित थी। इस प्रणाली को 18 वीं शताब्दी के अंत में कैप्टन अलेक्जेंडर रीड और सर थॉमस मुनरो द्वारा तैयार किया गया था और बाद में मद्रास (अब चेन्नई) के गवर्नर (1820-27) के रूप में पेश किया गया था। इसका सिद्धांत सरकारी एजेंटों द्वारा प्रत्येक व्यक्तिगत किसान से भू-राजस्व का प्रत्यक्ष संग्रह था।

कथन 2 सही है: पट्टा नामक पंजीकृत समझौते रैयतों को उनके स्वामित्व अधिकारों को मान्यता देने के लिए दिए गए थे।

कथन 3 सही है: इस उद्देश्य के लिए फसल की क्षमता और वास्तविक खेती के अनुसार सभी जोतों को मापा और मूल्यांकन किया गया था। इस प्रणाली का लाभ बिचौलियों का उन्मूलन था, जो अक्सर ग्रामीणों पर अत्याचार करते थे, और भूमि पर कर का आकलन वास्तव में कृषि पर आधारित था न कि केवल कब्जा कर लिया जाता था। इस प्रणाली ने अधीनस्थ राजस्व अधिकारियों को भी बहुत शक्ति प्रदान की, जिनकी गतिविधियों का अपर्याप्त पर्यवेक्षण हो सका।

17. उत्तर: (d)

विकल्प (d) सही है: लॉर्ड कॉर्नवालिस की भूमि व्यवस्था प्रणाली की मुख्य विशेषताएं इस प्रकार थीं:

- भू-राजस्व वसूल करने वाले जमींदारों को भूमि का स्वामी बनाया गया।
- जमींदारों को कंपनी को एक निश्चित राशि का भुगतान करना पड़ता था।
- यह निर्णय लिया गया कि सरकार सकल राजस्व के 10/11 का दावा करेगी।
- यदि कोई जमींदार राजस्व की निश्चित राशि का भुगतान करने में विफल रहता है, तो सरकार को बकाया राशि की वसूली के लिए उसकी भूमि के कुछ हिस्से को जब्त करने का अधिकार था।
- किसानों या रैयतों को जमींदारों का काश्तकार बनाया गया।
- जमींदारों को उनकी प्रशासनिक और न्यायिक शक्तियों से वंचित कर दिया गया।
- सरकार ने आश्वासन दिया कि वह जमींदारों की परंपराओं में हस्तक्षेप नहीं करेगी

कॉर्नवालिस ने कोर्ट फीस को समाप्त कर दिया जिससे कंपनी की कमाई प्रभावित हुई और इसके परिणामस्वरूप मामलों की संख्या में भारी वृद्धि हुई। कोर्ट फीस की समाप्ति ने बिना किसी रोक-टोक के मुकदमेबाजी को बढ़ावा दिया।

unacademy.com | Download the Unacademy app
https://t.me/OTT_IAS (Type this name exactly to get free PCB12),
Give your feedback here: Link

2 Indian Renaissance and Reform Movements

1. **आंध्र प्रदेश में मदनपल्ली के संदर्भ में, निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही है? (2021)**
   (a) पिंगलि वेंकैया ने यहाँ भारतीय राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे का डिजाइन किया।
   (b) पट्टाभि सीतारमैया ने यहाँ से आंध्र क्षेत्र में भारत छोड़ो आंदोलन का नेतृत्व किया।
   (c) रवीन्द्रनाथ टैगोर ने यहाँ राष्ट्रगान का बांग्ला से अंग्रेजी में अनुवाद किया।
   (d) मैडम ब्लावत्स्की तथा कर्नल ऑलकाट ने सबसे पहले यहाँ थियोसोफिकल सोसाइटि का मुख्यालय स्थापित किया।

2. **अस्पृश्य समुदाय के लोगों को लक्षित कर, प्रथम मासिक पत्रिका विटाल-विध्वंसक किसके द्वारा प्रकाशित की गई थी? (2020)**
   (a) गोपाल बाबा वलंगकर
   (b) ज्योतिबा फुले
   (c) मोहनदास करमचन्द गाँधी
   (d) भीमराव रामजी अम्बेडकर

3. **भारतीय इतिहास के संदर्भ में, 1884 का रखमाबाई मुकदमा किस पर केन्द्रित था? (2020)**
   1. महिलाओं का शिक्षा पाने का अधिकार।
   2. सहमति की आयु।
   3. दांपत्य अधिकारों का प्रत्यास्थापन।

   नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनिए:
   (a) केवल 1 और 2
   (b) केवल 2 और 3
   (c) केवल 1 और 3
   (d) 1, 2 और 3

4. **निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए: (2019)**

	आंदोलन/संगठन	नायक
1.	अखिल भारतीय अस्पृश्यता विरोधी लीग	महात्मा गांधी
2.	अखिल भारतीय किसान सभा	स्वामी सहजानंद सरस्वती
3.	आत्म सम्मान आंदोलन	नायकर ई.वी. रामास्वामी

   उपर्युक्त में से कौन-सा/से युग्म सही सुमेलित है/हैं?
   (a) केवल 1
   (b) केवल 1 और 2
   (c) केवल 2 और 3
   (d) 1, 2 और 3

5. **निम्नलिखित में से कौन-सी घटना सबसे पहले घटित हुई? (2018)**
   (a) स्वामी दयानन्द ने आर्य समाज की स्थापना की।
   (b) दीनबंधु मित्र ने नीलदर्पण का लेखन किया।
   (c) बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय ने आनंदमठ की रचना की।
   (d) सत्येन्द्रनाथ टैगोर इंडियन सिविल सर्विस परीक्षा में सफलता पाने वाले प्रथम भारतीय बने।

6. **सत्य शोधक समाज में संगठित किया- (2016)**
   (a) बिहार में आदिवासियों के उत्थान के लिए एक आंदोलन
   (b) गुजरात में एक मंदिर-प्रवेश आंदोलन
   (c) महाराष्ट्र में जाति विरोधी आंदोलन
   (d) पंजाब में एक किसान आंदोलन

7. **निम्नलिखित पर विचार कीजिए: (2016)**
   1. कलकत्ता यूनिटेरियन कमेटी
   2. टेबरनेकल ऑफ न्यू डिस्पेंसेशन
   3. भारतीय सुधार संघ

   केशव चंद्र सेन उपर्युक्त में से किसकी स्थापना से जुड़े हैं?
   (a) केवल 1 और 3

unacademy.com | Download the Unacademy app
https://t.me/OTT_IAS (Type this name exactly to get free PCB12),
Give your feedback here: Link

(b) केवल 2 और 3

(c) केवल 3

(d) 1, 2 और 3

8. एनी बेसेंट थी- (2013)

1. होमरूल आंदोलन शुरू करने के लिए जिम्मेदार।
2. थियोसोफिकल सोसायटी कि संस्थापक।
3. एक बार भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की अध्यक्ष।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही कथन/कथन चुनिए:

(a) केवल 1

(b) केवल 2 और 3

(c) केवल 1 और 3

(d) 1, 2 और 3

9. निम्नलिखित में से किन दलों की स्थापना डॉ. बी.आर. अम्बेडकर ने की थी? (2012)

1. द पीजेंट्स एंड वर्कर्स पार्टी ऑफ इंडिया
2. ऑल इंडिया सिड्यूल्ड कास्ट्स फेडरेशन
3. इंडिपेंडेंट लेबर पार्टी

निम्नलिखित कूटों के आधार पर सही उत्तर चुनिए:

(a) केवल 1 और 2

(b) केवल 2 और 3

(c) केवल 1 और 3

(d) 1, 2 और 3

10. ब्रह्म समाज के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा/से कथन सही है/हैं? (2012)

1. इसने मूर्तिपूजा का विरोध किया।
2. इसने धार्मिक ग्रंथों की व्याख्या के लिए एक पुरोहित वर्ग की आवश्यकता से इनकार किया।
3. इसने इस सिद्धांत को लोकप्रिय बनाया कि वेद अचूक हैं।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए:

(a) केवल 1

(b) केवल 1 और 2

(c) केवल 3

(d) 1, 2 और 3

unacademy.com | Download the Unacademy app
https://t.me/OTT_IAS (Type this name exactly to get free PCB12),
Give your feedback here: Link

2 Indian Renaissance and Reform Movements-Explanation

1 उत्तर: (c)

विकल्प (c) सही है: मदनपल्ले भारत के आंध्र प्रदेश राज्य के अन्नामय्या जिले का एक शहर है।

रवींद्रनाथ टैगोर ने "जन गण मन" का बंगाली से अंग्रेजी में अनुवाद किया और इसे मदनपल्ले, आंध्र प्रदेश में संगीत में भी स्थापित किया।

रवींद्रनाथ टैगोर एक बंगाली कवि, लघु-कथा लेखक, निबंधकार और चित्रकार थे। वह पश्चिम में भारतीय संस्कृति को पेश करने में अत्यधिक प्रभावशाली थे और इसके विपरीत, और उन्हें आम तौर पर 20 वीं शताब्दी के शुरुआती भारत के उत्कृष्ट रचनात्मक कलाकार के रूप में माना जाता है। 1913 में वे साहित्य के लिए नोबेल पुरस्कार प्राप्त करने वाले पहले गैर-यूरोपीय बने। "जन गण मन" के गीत की रचना शिक्षाविद् डॉ. जेम्स हेनरी कजिन्स की पत्नी मार्गरेट कजिन्स ने की थी।

2. उत्तर: (a)

विकल्प (a) सही है: गोपाल बाबा वालंगकर (1840-1900), जिन्हें गोपाल कृष्ण के नाम से भी जाना जाता है, भारत के अछूत लोगों को उनके ऐतिहासिक सामाजिक-आर्थिक उत्पीड़न से मुक्त करने के लिए काम करने वाले एक कार्यकर्ता थे। उन्हें आम तौर पर दलित आंदोलन का अग्रणी माना जाता है। उन्होंने उत्पीड़न की व्याख्या करने के लिए एक नस्लीय सिद्धांत विकसित किया। 1888 में, वालंगकर ने वाइटल-विधवंशक (ब्राह्मणवादी या अनुष्ठानिक प्रदूषण का विनाशक) नामक मासिक पत्रिका प्रकाशित करना शुरू किया, जो अछूत लोगों को अपने लक्षित दर्शकों के रूप में रखने वाला पहले व्यक्ति थे।

3. उत्तर: (b)

विकल्प (b) सही है: डॉ. रखमाबाई भीकाजी चिकित्सा और महिलाओं के अधिकारों के क्षेत्र में 19वीं सदी की अग्र-दूत थीं। उन्होंने 1891 में महिलाओं के लिए सहमति की आयु बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। 1889 में लंदन स्कूल ऑफ मेडिसिन फॉर विमेन में अध्ययन करने के बाद वह भारत की पहली महिला चिकित्सक बनीं। उनका विवाह ग्यारह वर्ष की आयु में उन्नीस वर्षीय दादाजी भीकाजी से हो गया था। उन्होंने गैर-सहमति के विवाह से 'आजादी' की मांग करते हुए कानूनी तलाक की मांग की और वैवाहिक अधिकारों की बहाली की मांग की। इससे बाल और गैर-सहमति विवाह पर देशव्यापी बहस छिड़ गई। इस मामले से उत्पन्न कानूनी और सामाजिक विवाद औपनिवेशिक कानून, विवाह और वैवाहिक संबंध की धारणाओं और राज्य के हस्तक्षेप की संभावना के इर्द-गिर्द घूमते थे। बेहरामजी मालाबारी और पंडिता रमाबाई ने उनके बचाव में आकर रखमाबाई रक्षा समिति का गठन किया।

unacademy.com | Download the Unacademy app
https://t.me/OTT_IAS (Type this name exactly to get free PCB12),
Give your feedback here: Link

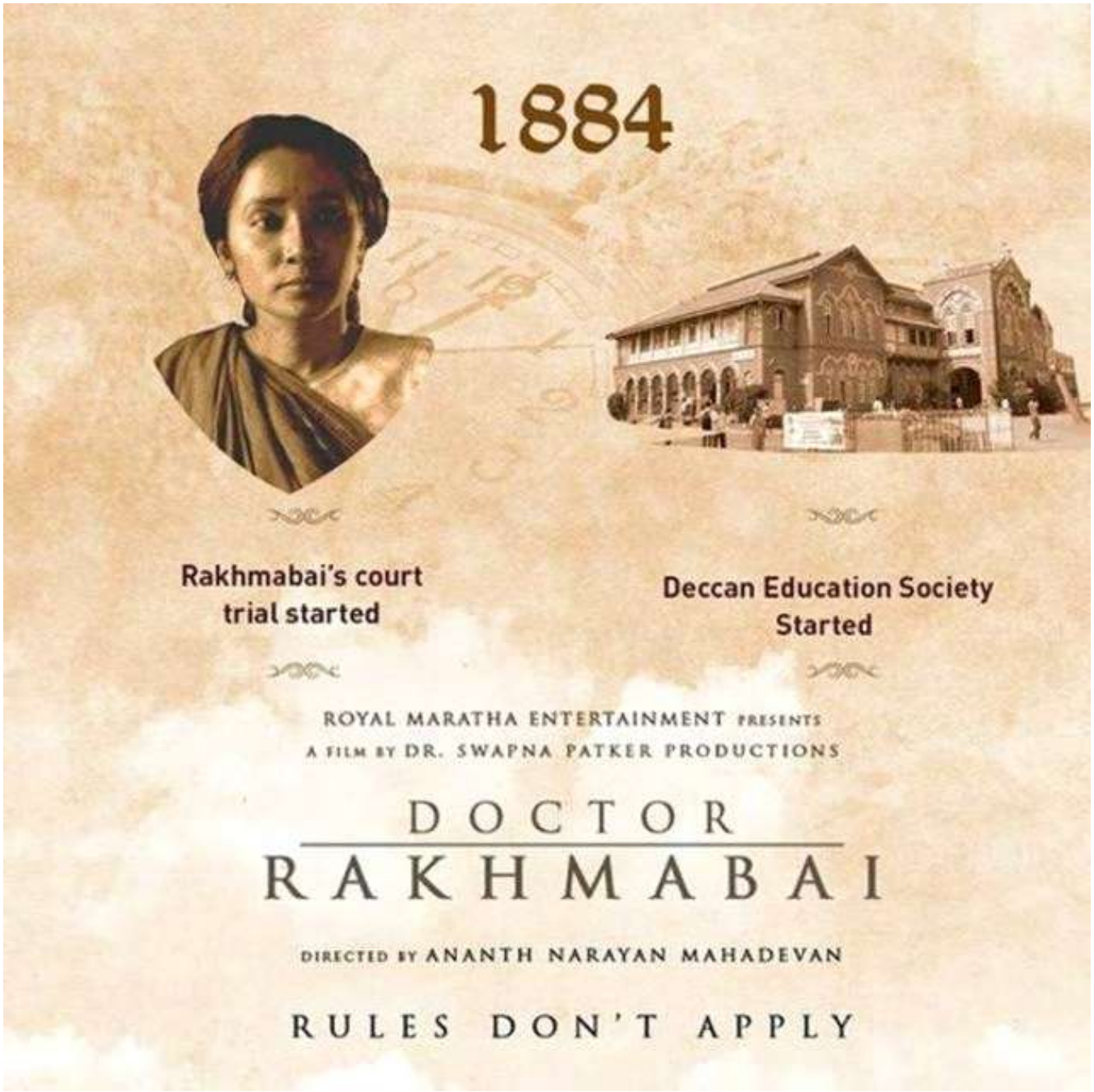

4. **उत्तर:** (d)

युग्म 1 सही सुमेलित है: अखिल भारतीय अस्पृश्यता विरोधी लीग की स्थापना 1932 में महात्मा गांधी द्वारा उत्पीड़ित वर्गों या 'हरिजनों' के उत्थान के लिए एक अनुकूल वातावरण प्रदान करने के लिए की गई थी। गांधीजी ने सलाह दी कि लीग की गतिविधियों को मुख्य रूप से मंदिर प्रवेश और अंत:भोजन के मुद्दे तक सीमित करने के बजाय दलित वर्गों के आर्थिक, सामाजिक और शैक्षिक सुधार की ओर निर्देशित किया जाना चाहिए। इसके बाद अछूत शब्द की जगह हरिजन ने ले ली और अस्पृश्यता विरोधी लीग का नाम बदलकर हरिजन सेवक संघ कर दिया गया।

युग्म 2 सही सुमेलित है: औपनिवेशिक भारत में किसान आंदोलनों का नेतृत्व करने के लिए, अखिल भारतीय किसान सभा का गठन 1936 में कांग्रेस के लखनऊ अधिवेशन में किया गया था, जिसके पहले अध्यक्ष स्वामी सहजानंद सरस्वती थे। बाद में इसने एक किसान घोषणापत्र जारी किया जिसमें सभी किरायेदारों के लिए जमींदारी और अधिभोग अधिकारों के उन्मूलन की मांग की गई थी। अपने समाजवादी सदस्यों और नेताओं के दबाव में, कांग्रेस ने दिसंबर 1936 में एक कृषि कार्यक्रम को अपनाया।

unacademy.com | Download the Unacademy app
https://t.me/OTT_IAS (Type this name exactly to get free PCB12),
Give your feedback here: Link

युग्म 3 सही सुमेलित है: आत्म सम्मान आंदोलन, ई.वी. रामास्वामी नायकर द्वारा 1925 में तमिलनाडु में आरंभ, एक गतिशील सामाजिक आंदोलन था, जिसका उद्देश्य समकालीन हिंदू सामाजिक व्यवस्था को उसकी समग्रता में नष्ट करना और जाति, धर्म और ईश्वर के बिना एक नए, तर्कसंगत समाज का निर्माण करना था। यह एक समतावादी आंदोलन था जिसने ब्राह्मणवादी आधिपत्य को तोड़ने, समाज में पिछड़े वर्गों और महिलाओं के लिए समान अधिकार और तेलुगु, तमिल, कन्नड़ और मलयालम जैसी द्रविड़ भाषाओं के पुनरोद्धार की विचारधाराओं का प्रचार किया।

5. **उत्तर:** (b)

विकल्प (b) सही है: नील दर्पण एक प्रसिद्ध बंगाली नाटक है जो 1858-59 में दीनबंधु मित्र द्वारा लिखा गया था, यह 1860 में ढाका में प्रकाशित हुआ था। इस नाटक का उद्देश्य भारत में ब्रिटिश शासन के शाही शासन का विरोध करना था। इस नाटक का मुख्य प्रसंग बंगाल में नील विद्रोह की घटना पर है।

स्वामी दयानंद ने अप्रैल 1875 में बॉम्बे में आर्य समाज की स्थापना की। क्रिनवंतो विश्वम आर्यम (इस दुनिया को महान बनाएं) के आदर्श वाक्य के साथ, सामाजिक-सांस्कृतिक आंदोलन का उद्देश्य लोगों में वैदिक ज्ञान के बारे में जागरूकता बढ़ाकर समाज में सुधार करना था। इस आंदोलन ने वेदों की अचूकता में विश्वास स्थापित किया और उन्हें एकमात्र सत्य और सभी ज्ञान के स्रोत के रूप में स्थापित किया। यह भी माना जाता था कि वैदिक धर्म को दूषित करने के लिए पुराण जैसे उत्तर-वैदिक ग्रंथ जिम्मेदार थे। इसने भगवान के मूर्ति-पूजा और पुनर्जन्म के सिद्धांत का विरोध किया।

बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय ने 1882 में आनंदमठ लिखा। यह संन्यासी विद्रोह (18वीं शताब्दी के अंत में भिक्षुओं के विद्रोह) की पृष्ठभूमि में स्थापित किया गया था और बंगाल के राष्ट्रवाद पर प्रमुख कार्यों में से एक है।

सत्येंद्रनाथ टैगोर को जून 1863 में भारतीय सिविल सेवा के लिए चुना गया था। उन्होंने अपना परिवीक्षाधीन प्रशिक्षण पूरा किया और नवंबर 1864 में भारत लौट आए।

6. **उत्तर:** (c)

विकल्प (c) सही है: सत्य शोधक समाज की स्थापना महात्मा ज्योतिराव गोविंदराव फुले ने 24 सितंबर 1873 को शूद्रों और अति शूद्रों को मुक्त करने और शासक जाति मराठा जैसी उच्च जाति द्वारा उनके 'शोषण' को रोकने के उद्देश्य से की थी। यह महाराष्ट्र में जाति विरोधी आंदोलन था।

सत्य शोधक समाज ने वेदों को पवित्र मानने से इंकार कर दिया, मूर्ति पूजा का विरोध किया, चतुर्वर्ण्य व्यवस्था (जाति व्यवस्था) की निंदा की और ब्राह्मण पुजारी वर्ग को शैक्षिक और धार्मिक नेताओं के रूप में खारिज कर दिया। ईश्वर के अस्तित्व की जगह निर्मिक ने ले ली। दीनबंधु सत्य शोधक समाज के मुखपत्र का नाम था। सत्य शोधक समाज एक सामाजिक क्रांति चाहता था और जनता का काफी गहराई से सामना किया था। हाथ में ढोल और धोती, पगड़ी और कंबल सत्यशोधक समाज के प्रचारकों का पहनावा था।

7. **उत्तर:** (b)

केशब चंद्र सेन एक हिंदू दार्शनिक और समाज सुधारक थे जिन्होंने हिंदू विचार के ढांचे के भीतर ईसाई धर्मशास्त्र को शामिल करने का प्रयास किया। वे ब्रह्म समाज के भी सदस्य थे।

विकल्प 1 सही नहीं है: सितंबर 1821 में विलियम एडम और राममोहन रॉय द्वारा संयुक्त रूप से स्थापित कलकत्ता यूनिटेरियन कमेटी ने उन प्रमुख ब्राह्मणों को एक साथ लाने की मांग की, जो रॉय के मित्र थे और हिंदुओं के बीच धार्मिक एकेश्वरवाद और सामाजिक सुधार को बढ़ावा देने के लिए उनके एजेंडे के समर्थक थे। कलकत्ता के ब्रिटिश और यूरोपीय निवासियों के साथ जो यूनिटेरियन ईसाई थे। केशव चंद्र सेन कलकत्ता यूनिटेरियन कमेटी की स्थापना से जुड़े नहीं थे।

विकल्प 2 सही है: 1868 में, 24 जनवरी को माघ उत्सव के अवसर पर, केशव चंद्र सेन ने सभी महान लोगों के सत्य की स्थापना के उद्देश्य से अपने नई चर्च - टेबरनेकल ऑफ न्यू डिस्पेंसेशन (नबा बिधान) की आधारशिला रखी। इसका उद्देश्य एक संस्था बनाना था जो सभी धर्मों का सत्य समाहित हो और जो सभी धर्मों का स्थान ग्रहण कर ले।

विकल्प 3 सही है: भारतीय सुधार संघ का गठन 29 अक्टूबर, 1870 को केशब चंदर सेन के अध्यक्ष के रूप में हुआ था। यह ब्रह्म समाज के धर्मनिरपेक्ष पक्ष का प्रतिनिधित्व करता था। इसका उद्देश्य ग्रेट ब्रिटेन की अपनी यात्रा के दौरान सेन के सामने आए कुछ विचारों को व्यवहार में लाना था। इसका उद्देश्य बाल विवाह के खिलाफ जनमत बनाना, विवाह के ब्रह्म रूप को वैध बनाना, महिलाओं की स्थिति को बढ़ावा देना भी शामिल था।

8. **उत्तर:** (c)

कथन 1 सही है: होम रूल आंदोलन, प्रथम विश्व युद्ध के प्रति भारतीय प्रतिक्रिया थी, जो विदेश में रहने वाले भारतीयों की प्रतिक्रिया की तुलना में कम आवेशित लेकिन अधिक प्रभावी तरीके से थी, जिसने रोमांटिक साहसिक ग़दर का रूप ले लिया। दो होम रूल लीग शुरू की गईं- एक बाल गंगाधर तिलक द्वारा और दूसरी एनी बेसेंट द्वारा, दोनों का उद्देश्य आक्रामक राजनीति की एक नई प्रवृत्ति की शुरुआत करना था। उन्होंने सितंबर 1916 में मद्रास में अपनी अखिल भारतीय होम रूल लीग की स्थापना की और शेष भारत (बॉम्बे शहर सहित) को कवर किया।

कथन 2 सही नहीं है: मैडम एच.पी. ब्लावात्स्की (1831-1891) और कर्नल एम.एस. ओल्कॉट, जो भारतीय विचार और संस्कृति से प्रेरित थे, ने 1875 में संयुक्त राज्य अमेरिका में थियोसोफिकल सोसाइटी की स्थापना की। भारत में, 1907 में ओल्कोट की मृत्यु के बाद एनी बेसेंट (1847-1933) के अध्यक्ष के रूप में चुनाव के साथ यह आंदोलन

unacademy.com | Download the Unacademy app
https://t.me/OTT_IAS (Type this name exactly to get free PCB12),
Give your feedback here: Link

लोकप्रिय हो गया। .

कथन 3 सही है: भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के 1917 के कलकत्ता अधिवेशन में, एनी बेसेंट (पहली महिला) भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की अध्यक्ष बनीं।

9. उत्तर:

कथन 1 सही नहीं है: भारतीय किसान और श्रमिक पार्टी महाराष्ट्र में एक मार्क्सवादी राजनीतिक दल है, जिसकी स्थापना 1949 में हुई थी।

कथन 2 सही है: ऑल इंडिया सिड्यूल्ड कास्ट्स फेडरेशन, एक राजनीतिक दल, की स्थापना 1942 में दलित समुदाय के अधिकारों के लिए लड़ने के लिए डॉ. बी.आर. अम्बेडकर द्वारा की गई थी। यह पार्टी अम्बेडकर के नेतृत्व वाली इंडिपेंडेंट लेबर पार्टी की उत्तराधिकारी संस्था थी।

कथन 3 सही है: डॉ. बी.आर. अम्बेडकर ने इंडिपेंडेंट लेबर पार्टी की स्थापना की, इसने प्रांतीय चुनावों में भाग लिया और वे स्वयं बॉम्बे विधान सभा के लिए चुने गए। **(कथन 3 सही है)**

निरसन तकनीक: भारतीय किसान और श्रमिक पार्टी अपने नाम के अनुसार एक मार्क्सवादी पार्टी होनी चाहिए।

10. उत्तर: (b)

ब्रह्म समाज की स्थापना राजा राममोहन राय ने अगस्त 1828 में की थी। बाद में इसका नाम बदलकर ब्रह्म समाज कर दिया गया। सभा के माध्यम से वे अपने विचारों और मिशन को संस्थागत बनाना चाहते थे। समाज "अनन्त, अप्राप्य, अपरिवर्तनीय होने की पूजा और आराधना के लिए प्रतिबद्ध था जो ब्रह्मांड के लेखक और संरक्षक हैं"।

- **विकल्प (b) सही है:** ब्रह्म समाज की विशेषताएं हैं:
- इसने बहुदेववाद और मूर्ति पूजा की निंदा की।
- इसने दिव्य अवतारों (अवतार) में विश्वास को त्याग दिया।
- इसने इस बात से इनकार किया कि कोई भी शास्त्र मानवीय तर्क और विवेक से परे परम अधिकार की स्थिति का आनंद ले सकता है।
- इसने कर्म के सिद्धांत और आत्मा के स्थानांतरगमन पर कोई निश्चित रुख नहीं अपनाया और किसी भी तरह से विश्वास करने के लिए इसे अलग-अलग ब्रह्मवादियों पर छोड़ दिया।
- इसने जाति व्यवस्था की आलोचना की।
- इसने धार्मिक ग्रंथों की व्याख्या के लिए एक पुरोहित वर्ग की आवश्यकता से इनकार किया।
- वेदों की अचूकता के सिद्धांत को ब्रह्म समाज ने चुपचाप स्वीकार कर लिया था, हालांकि उन्होंने इस सिद्धांत को लोकप्रिय नहीं बनाया।

unacademy.com | Download the Unacademy app
https://t.me/OTT_IAS (Type this name exactly to get free PCB12),
Give your feedback here: Link

3 Early Uprising Against the British and Revolt of 1857:

1. **निम्नलिखित में से किस कारण से भारत में बीसवीं शताब्दी के आरम्भ में नील की खेती का ह्रास हुआ? (2020)**
   (a) नील के उत्पादकों के अत्याचारी आचरण के प्रति काश्तकारों का विरोध
   (b) नई खोजों के कारण विश्व बाजार में इसका अलाभकर होना
   (c) नील की खेती का राष्ट्रीय नेताओं द्वारा विरोध किया जाना
   (d) उत्पादकों के ऊपर सरकार का नियंत्रण

2. **भारत के इतिहास के संदर्भ में, "ऊलगुलान" अथवा महान उपद्रव निम्नलिखित में से किस घटना का विवरण था? (2020)**
   (a) 1857 के विद्रोह का
   (b) 1921 के मापिला विद्रोह का
   (c) 1859 – 60 के नील विद्रोह का
   (d) 1899 – 1900 के बिरसा मुंडा विद्रोह का

3. **संथाल विद्रोह के शांत हो जाने के बाद, औपनिवेशिक शासन द्वारा कौन-सा/से उपाय किया गया/किए गए? (2018)**
   1. 'संथाल परगना' नामक राज्यक्षेत्रों का सृजन किया गया।
   2. किसी संथाल का ग़ैर-संथाल को भूमि अंतरण करना ग़ैरकानूनी हो गया।

   नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए:
   (a) केवल 1
   (b) केवल 2
   (c) 1 और 2 दोनों
   (d) न तो 1, न ही 2

4. **महारानी विक्टोरिया की उद्घोषणा (1858) की में क्या-क्या शामिल था? (2014)**
   1. भारतीय राज्यों को ब्रिटिश साम्राज्य में मिलाने के किसी भी विचार का परित्याग करना।
   2. भारतीय प्रशासन को ब्रिटिश ताज के अधीन रखना।
   3. भारत के साथ ईस्ट इंडिया कंपनी के व्यापार को विनियमित करना।

   नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए:
   (a) केवल 1 और 2
   (b) केवल 2
   (c) केवल 1 और 3
   (d) 1, 2 और 3

5. **भारत में 19वीं शताब्दी के जनजातीय विद्रोह के लिए निम्नलिखित में से कौन-से तत्व ने साझा कारण मुहैया किया? (2011)**
   (a) भू-राजस्व की नई प्रणाली का लागू होना और जनजातीय उत्पादों पर कर का लगाए जाना
   (b) जनजातीय क्षेत्रों में विदेशी धर्म प्रचारकों का प्रभाव
   (c) जनजातीय क्षेत्रों में बिचौलियों के रूप में बड़ी संख्या में महाजनों, व्यापारियों और लगान के ठेकेदारों का बढ़ना
   (d) जनजातीय समुदायों की प्राचीन भूमिसंबंधी व्यवस्था का संपूर्ण विदारण

unacademy.com | Download the Unacademy app
https://t.me/OTT_IAS (Type this name exactly to get free PCB12),
Give your feedback here: Link

3 Early Uprising Against the British and Revolt of 1857-Explanation

1. **उत्तर: (b)**

विकल्प (b) सही है: जर्मनी में नए आविष्कार हुए जहां आधुनिक सिंथेटिक रसायन विज्ञान जैसी वैज्ञानिक तकनीकों का आविष्कार हुआ। 19वीं सदी के अंत तक, लगभग सारा नील भारत के नील बागानों में उगाया जाता था। जर्मन इसे 1878 में प्रयोगशाला में बनाने में सफल रहे, लेकिन सिंथेटिक नील के बड़े पैमाने पर उत्पादन में लगभग तीन दशक लग गए।

सफलता 1890 में मिली, जब ज्यूरिख में कार्ल ह्यूमैन ने एनिलिन से नील बनाने का एक तरीका खोजा। जर्मन फर्म में एक भाग्यशाली संयोग में यह रहस्योद्घाटन हुआ कि पारा संश्लेषण के एक प्रमुख भाग के लिए उत्प्रेरक था जिसके कारण 1897 में सिंथेटिक इंडिगो का उत्पादन हुआ। सिंथेटिक रंजक बहुत सस्ती थी और साथ ही अन्ततः नए आविष्कारों के कारण विश्व बाजार में इसकी लाभहीनता के कारण इंडिगो रंजक और नील की फसल का उत्पादन करने वाले प्राकृतिक पौधे इतिहास का एक हिस्सा बन गए।

2. **उत्तर: (d)**

विकल्प (d) सही है: मुंडा विद्रोह उपमहाद्वीप में 19वीं शताब्दी के प्रमुख जनजातीय विद्रोहों में से एक था। इसका नेतृत्व 1899-1900 में रांची के दक्षिण क्षेत्र में बिरसा मुंडा ने किया था। ऊलगुलान, जिसका अर्थ 'महान कोलाहल' होता है, वह विद्रोह था जिसने मुंडा आधिपत्य और स्वतंत्रता की स्थापना की मांग की। इसे 1899-1900 के बिरसा मुंडा के विद्रोह के रूप में भी जाना जाता है। मुंडाओं को पारंपरिक रूप से खुंटकट्टीदार प्रथा के रूप में अधिमान्य किराया मिलता था। लेकिन 19वीं शताब्दी में, इस खूंटीकट्टी भूमि व्यवस्था को जागीरदारों और ठीकेदारों द्वारा उन्मूलन कर दिया गया था जो व्यापारियों और साहूकारों के रूप में आए थे। सरकार ने 1902-10 के सर्वेक्षण और निपटान कार्यों के माध्यम से मुंडाओं की शिकायतों का निवारण करने का प्रयास किया। 1908 के छोटानागपुर काश्तकारी अधिनियम ने उनके खूंटीकट्टी अधिकारों और प्रतिबंधित बेथबेगारी को कुछ मान्यता प्रदान की। छोटानागपुर के आदिवासियों ने अपने भूमि अधिकारों के लिए कुछ हद तक कानूनी सुरक्षा हासिल की।

3. **उत्तर: (c)**

संथाल झारखंड राज्य में केंद्रित जनजातियों का एक समूह है। संथाल विद्रोह 1855-56 में हुआ था। यह पहला किसान आंदोलन था जो भारत में हुआ था। विद्रोह का कारण 1793 के स्थायी भूमि बंदोबस्त की स्थापना था।

कथन 1 सही है: संथाल विद्रोह का नेतृत्व सिंधु, कान्हू, चंद और भैरव नाम के चार मुर्मू भाइयों ने दमनकारी जमींदारी व्यवस्था के खिलाफ किया था। संथालों ने अंग्रेजों के खिलाफ लड़ने और प्रताड़ित होने के बावजूद अनुकरणीय साहस का परिचय दिया। इस क्षेत्र पर शासन करने में सक्षम होने के लिए, अंग्रेजों ने अंततः संथालों की मांगों पर सहमति व्यक्त की, जिसके बाद 1885 में संथाल परगना जिला बनाया गया, जो भागलपुर और बीरभूम जिलों से 5,500 वर्ग मील की दूरी पर था।

कथन 2 सही है: साथ ही, ब्रिटिश सरकार ने यह सुनिश्चित करने के लिए कानून बनाए कि आदिवासी भूमि बाहरी लोगों (डिकु) द्वारा नहीं ली जाए। इसका मतलब है कि एक संथाल के लिए गैर-संथाल को जमीन हस्तांतरित करना अवैध हो गया।

4. **उत्तर: (a)**

संप्रभु ग्रेट ब्रिटेन द्वारा भारत सरकार को धारण करने की घोषणा लॉर्ड कैनिंग ने इलाहाबाद के एक दरबार में 1 नवंबर, 1858 को जारी 'क्वीन की उद्घोषणा' में की थी।

- विलय और विस्तार का युग समाप्त हो गया था, और अंग्रेजों ने देशी राजकुमारों की गरिमा और अधिकारों का सम्मान करने का वादा किया था। **(कथन 1 सही है)**
- देश के प्रशासन की प्रत्यक्ष जिम्मेदारी ब्रिटिश क्राउन द्वारा ग्रहण की गई और कंपनी शासन को समाप्त कर दिया गया। **(कथन 2 सही है)**
- गवर्नर-जनरल ने 'वायसराय' की अतिरिक्त उपाधि प्राप्त की।
- इसने ईस्ट इंडिया कंपनी के शासन के एक युग के अंत की घोषणा की। **(कथन 3 सही नहीं है)**
- भारत के लोगों को ब्रिटिश अधिकारियों के हस्तक्षेप के बिना धर्म की स्वतंत्रता का वादा किया गया था।
- इस उद्घोषणा ने उन भारतीयों को क्षमा करने की घोषणा की जिन्होंने अंग्रेजों के खिलाफ 1857 के विद्रोह में भाग लिया था।

निरसन तकनीक: महारानी विक्टोरिया की उद्घोषणा (1858) ने ईस्ट इंडिया कंपनी के शासन के एक युग के अंत की घोषणा की और इसे विनियमित नहीं किया, इसलिए **कथन 3** सही नहीं है।

5. **उत्तर: (d)**

विकल्प (d) सही है: आदिवासी विद्रोह का मुख्य कारण अर्थव्यवस्था, प्रशासन और भू-राजस्व व्यवस्था में अंग्रेजों द्वारा किए गए तेजी से बदलाव थे। इन परिवर्तनों ने जनजातीय समुदायों के पुराने कृषि व्यवस्था को बाधित कर दिया जिससे जनजातीय समुदायों में लंबे

unacademy.com | Download the Unacademy app
https://t.me/OTT_IAS (Type this name exactly to get free PCB12),
Give your feedback here: Link

समय तक और व्यापक पीड़ा हुई। साथ ही, भू-राजस्व की बढ़ती मांग और ब्रिटिश सरकार द्वारा जितना संभव हो उतना बड़ी राशि निकालना भारतीय गांवों के लिए विनाशकारी साबित हुआ, जिससे लाखों लोग दरिद्रता के कगार पर पहुंच गए। ब्रिटिश सरकार ने आदिवासियों की पारंपरिक जमीन पर कब्जा कर लिया और आदिवासियों को उनकी ही जमीन पर वंचित कर दिया।

unacademy.com | Download the Unacademy app
https://t.me/OTT_IAS (Type this name exactly to get free PCB12),
Give your feedback here: Link

4 Rise of Indian National Movement: Moderate and Extremists Phase

1. **स्वतन्त्रता संग्राम के समय लिखी गई सखाराम गणेश देउस्कर की पुस्तक "देशोर कथा" के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए : (2020)**
   1. इस पुस्तक ने औपनिवेशिक राज्य द्वारा मस्तिष्क की सम्मोहक विजय के विरोध में चेतावनी दी।
   2. इस पुस्तक ने स्वदेशी नुक्कड़ नाटकों तथा लोक गीतों को प्रेरित किया।
   3. देउस्कर द्वारा "देश" शब्द का प्रयोग, बंगाल क्षेत्र के विशिष्ट संदर्भ में किया गया था।

   उपर्युक्त कथनों में से कौन-से सही हैं?

   (a) केवल 1 और 2
   (b) केवल 2 और 3
   (c) केवल 1 और 3
   (d) 1, 2 और 3

2. **आर्थिक तौर पर 19वीं शताब्दी में भारत पर अंग्रेज़ी शासन का एक परिणाम था (2018)**
   (a) भारतीय हस्त-शिल्पों के निर्यात में वृद्धि
   (b) भारतीयों के स्वामित्व वाले कारखानों की संख्या में वृद्धि
   (c) भारतीय कृषि का वाणिज्यीकरण
   (d) नगरीय जनसंख्या में तीव्र वृद्धि

3. **उन्होंने मैजिनी, गैरीबाल्डी, शिवाजी और श्रीकृष्ण की जीवनी लिखी, कुछ समय अमेरिका में रहे; और वे केन्द्रीय सभा के सदस्य भी निर्वाचित हुए। वे थे- (2018)**
   (a) अरबिंदो घोष
   (b) बिपिन चंद्र पाल
   (c) लाला लाजपत राय
   (d) मोतीलाल नेहरू

4. **निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए: (2017)**
   1. राधाकांत देब - ब्रिटिश इंडियन एसोसिएशन के पहले अध्यक्ष
   2. गज़ुलु लक्ष्मीनारसु चेट्टी - मद्रास महाजन सभा के संस्थापक
   3. सुरेंद्रनाथ बनर्जी - इंडियन एसोसिएशन के संस्थापक

   उपरोक्त में से कौन-सा/से युग्म सही सुमेलित है/हैं?

   (a) केवल 1
   (b) केवल 1 और 3
   (c) केवल 2 और 3
   (d) 1, 2 और 3

5. **निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए: (2017)**
   1. कारखाना अधिनियम, 1881 औद्योगिक श्रमिकों की मजदूरी तय करने और श्रमिकों को ट्रेड यूनियन बनाने की अनुमति देने की दृष्टि से पारित किया गया था।
   2. एन.एम. लोखंडे ब्रिटिश भारत में श्रमिक आंदोलन को संगठित करने में अग्रगामी थे।

   उपर्युक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

   (a) केवल 1
   (b) केवल 2
   (c) 1 और 2 दोनों
   (d) न तो 1, न ही 2

6. **1907 में सूरत में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस में विभाजन का मुख्य कारण क्या था? (2016)**
   (a) लॉर्ड मिंटो द्वारा भारतीय राजनीति में सांप्रदायिकता का प्रवेश करना।
   (b) ब्रिटिश सरकार के साथ बातचीत करने के लिए नरमपंथियों की क्षमता में चरमपंथियों का विश्वास का अभाव
   (c) मुस्लिम लीग की स्थापना।
   (d) अरबिंदो घोष की भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष के रूप में चुने जाने में असमर्थता।

7. **'स्वदेशी' और 'बहिष्कार' को किसके दौरान पहली बार संघर्ष के तरीकों के रूप में अपनाया गया था? (2016)**
   (a) बंगाल विभाजन के खिलाफ आंदोलन

unacademy.com | Download the Unacademy app
https://t.me/OTT_IAS (Type this name exactly to get free PCB12),
Give your feedback here: Link

(b) होम रूल आंदोलन

(c) असहयोग आंदोलन

(d) साइमन कमीशन की भारत यात्रा

8. निम्नलिखित में से किस एक आंदोलन ने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के विभाजन में योगदान दिया जिसके परिणामस्वरूप 'नरमपंथियों' और 'चरमपंथियों' का उदय हुआ? (2015)

(a) स्वदेशी आंदोलन

(b) भारत छोड़ो आंदोलन

(c) असहयोग आंदोलन

(d) सविनय अवज्ञा आन्दोलन

9. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए: (2015)

1. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की पहली महिला अध्यक्ष सरोजिनी नायडू थीं।
2. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के पहले मुस्लिम अध्यक्ष बदरुद्दीन तैयबजी थे।

उपर्युक्तकथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) न तो 1, न ही 2

10. निम्नलिखित में से कौन भारत में उपनिवेशवाद के आर्थिक आलोचक थे? (2015)

1. दादाभाई नौरोजी
2. जी. सुब्रमण्यम अय्यर
3. आर सी दत्त

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए:

(a) केवल 1

(b) केवल 1 और 2

(c) केवल 2 और 3

(d) 1, 2 और 3

11. 1905 में लॉर्ड कर्जन द्वारा किया गया बंगाल का विभाजन कब तक चला? (2014)

(a) प्रथम विश्व युद्ध जब अंग्रेजों को भारतीय सैनिकों की आवश्यकता थी और विभाजन की समाप्ति तक।

(b) किंग जॉर्ज पंचम ने 1911 में दिल्ली के शाही दरबार में कर्जन अधिनियम को निरस्त कर दिया।

(c) गांधीजी ने अपना सविनय अवज्ञा आंदोलन शुरू किया।

(d) 1947 में भारत का विभाजन जब पूर्वी बंगाल पूर्वी पाकिस्तान बन गया।

12. इल्बर्ट बिल विवाद किससे संबंधित था? (2013)

(a) भारतीयों द्वारा हथियार ले जाने पर कुछ प्रतिबंध लगाना।

(b) भारतीय भाषाओं में प्रकाशित समाचार पत्रों और पत्रिकाओं पर प्रतिबंध लगाना।

(c) यूरोपीय लोगों के मुकदमे के संबंध में भारतीय मजिस्ट्रेटों पर लगाई गई अयोग्यताओं को हटाना।

(d) आयातित सूती कपड़े पर शुल्क हटाना।

13. भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के दौरान, राष्ट्रीय सामाजिक सम्मेलन का गठन किया गया था। इसके गठन का कारण क्या था? (2012)

(a) बंगाल क्षेत्र के विभिन्न सामाजिक सुधार समूहों या संगठनों ने एक एकल निकाय बनाने के लिए एकजुट होकर व्यापक हित के मुद्दों पर चर्चा की और सरकार को उपयुक्त याचिकाएं / अभ्यावेदन तैयार किए।

(b) भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस अपने विचार-विमर्श में सामाजिक सुधारों को शामिल नहीं करना चाहती थी और इस तरह के उद्देश्य के लिए एक अलग निकाय बनाने का फैसला किया।

(c) बेहरामजी मालाबारी और एम जी रानाडे ने देश के सभी सामाजिक सुधार समूहों को एक संगठन के तहत एक साथ लाने का फैसला किया।

(d) इस संदर्भ में उपर्युक्त कोई भी कथन (a), (b) और (c) सही नहीं है।

14. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए: (2012)

दादाभाई नौरोजी द्वारा भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन के लिए सबसे प्रभावी योगदान यह था कि वह

unacademy.com | Download the Unacademy app
https://t.me/OTT_IAS (Type this name exactly to get free PCB12),
Give your feedback here: Link

1. अंग्रेजों द्वारा भारत के आर्थिक शोषण का पर्दाफाश किया।
2. प्राचीन भारतीय ग्रंथों की व्याख्या की और भारतीयों के आत्मविश्वास को बहाल किया।
3. किसी भी चीज से पहले सभी सामाजिक बुराइयों के उन्मूलन की आवश्यकता पर बल दिया।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2 और 3

(c) केवल 1 और 3

(d) 1, 2 और 3

15. भारत में उपनिवेशी शासन काल में "गृह व्यय" भारत से संपत्ति दोहन का महत्वपूर्ण अंग थे। निम्नलिखित में से कौन-सी निधि/निधियां "होम-चार्जेज" की संघटक थी/थीं? (2011)

1. लंदन में इंडिया आफिस के भरण-पोषण के लिए प्रयोग में लाई जाने वाली निधि।
2. भारत में कार्यरत अंग्रेज कर्मचारियों के वेतन तथा पेंशन देने हेतु प्रयोग में लाई जाने वाली निधि।
3. भारत के बाहर हुए युद्धों को लड़ने में अंग्रेजों द्वारा प्रयोग में लाई जाने वाली निधि।

निम्नलिखित कूटों के आधार पर सही उत्तर चुनिए:

(a) केवल 1

(b) केवल 1 और 2

(c) केवल 2 और 3

(d) 1, 2 और 3

16. सन् 1893 में सर विलियन वेडरबर्न तथा डब्लू- एस- कैन ने किस उद्देश्य से इंडियन पार्लियामेंटरी कमेटी की स्थापना की थी? (2011)

(a) भारत में राजनैतिक सुधारों हेतु हाऊस ऑफ कॉमन्स में आंदोलन करने के लिए

(b) भारतीयों के साम्राज्यिक न्यायपालिका में प्रवेश हेतु अभियान करने के लिए

(c) भारतीय स्वतंत्रता पर ब्रिटिश संसद में चर्चा सुगम करने के लिए

(d) ब्रिटिश संसद में विख्यात भारतीयों के प्रवेश हेतु आंदोलन के लिए

unacademy.com | Download the Unacademy app
https://t.me/OTT_IAS (Type this name exactly to get free PCB12),
Give your feedback here: Link

4 Rise of Indian National Movement: Moderate and Extremists Phase-Explanation

1. उत्तर: (d)

कथन 1 सही है: सखाराम गणेश देउस्कर (1869-1912) श्री अरबिंदो के एक करीबी सहयोगी एक मराठी ब्राह्मण थे, जो बंगाल में बस गए थे, सखाराम का जन्म देवघर में हुआ था। 1904 में लिखी गई देशेर कथा (राष्ट्र/देश की कहानी) शीर्षक की उनकी कृति ने औपनिवेशिक राज्य द्वारा मस्तिष्क की सम्मोहक विजय के विरोध में चेतावनी दी।

कथन 2 सही है: इस पुस्तक का बंगाल में बहुत बड़ा प्रभाव पड़ा, इसने युवा बंगाल के मस्तिष्क पर कब्जा कर लिया और स्वदेशी आंदोलन की तैयारी में किसी अन्य चीज से ज्यादा मदद की। 1910 में बंगाल सरकार ने इस पुस्तक पर प्रतिबंध लगा दिया और सभी प्रतियां जब्त कर लीं। लेकिन जब तक 1910 में औपनिवेशिक राज्य द्वारा देशर कथा पर प्रतिबंध लगाया गया, तब तक इसकी 15,000 से अधिक प्रतियां बिक चुकी थीं, जिसने स्वदेशी नुक्कड़ नाटकों और लोक गीतों को प्रेरित किया था, और स्वदेशी कार्यकर्ताओं की एक पूरी पीढ़ी के लिए एक अनिवार्य पाठ बन गया था। देउस्कर ने राष्ट्र के लिए 'देश' शब्द का प्रयोग किया। यह एक लेख "आमादेरदेशेर कथा" [हमारे देश के बारे में] का एक अंश उद्धृत करने योग्य है, जो 1907 में बच्चों की आवधिक प्रकृति में प्रकाशित हुआ था।

कथन 3 सही नहीं है: 'देश' के रूप में बंगाल की व्याख्या पुस्तक में देखी जा सकती है। लेकिन, देउस्कर द्वारा 'देश' का प्रयोग बंगाल के क्षेत्र के विशिष्ट संदर्भ में नहीं था।

2. उत्तर: (c)

विकल्प (c) सही है: भारतीय कृषि का व्यावसायीकरण 19वीं शताब्दी में भारत में ब्रिटिश शासन का परिणाम था। किसानों को इंडिगो और अन्य नकदी फसलें उगाने के लिए मजबूर किया गया था जिन्हें अंग्रेजी कारखानों के कच्चे माल के रूप में ग्रेट ब्रिटेन को निर्यात किया गया था। 19वीं शताब्दी में आधुनिक कृषि उपकरणों के उपयोग से कृषि व्यवसायिक हो गई और भारतीयों ने व्यावसायिक उपयोग के लिए और बड़े पैमाने पर फसलों का उत्पादन शुरू कर दिया। कृषि के व्यावसायीकरण ने भूमि के स्वामित्व के हस्तांतरण की गति को और बढ़ा दिया जिससे भूमिहीन मजदूरों की संख्या में वृद्धि हुई।

यह कई व्यापारियों और बिचौलियों को भी लाया जिन्होंने स्थिति का और फायदा उठाया; विभिन्न आर्थिक नीतियों के कारण भारत से ब्रिटेन के लिए धन की भारी निकासी हुई। भारत पर शासन करने के लिए अंग्रेजों द्वारा नियोजित सैन्य और नागरिक कर्मचारियों के वेतन, पेंशन और प्रशिक्षण पर होने वाले खर्च के कारण भारत पर अतिरिक्त वित्तीय बोझ डाला गया था।

3. उत्तर: (c)

विकल्प (c) सही है: लाजपत राय भारत में एक प्रसिद्ध राष्ट्रवादी थे जो लेखन में अपनी दक्षता के लिए भी जाने जाते थे। उन्होंने पंजाबियों को देशभक्ति के जोश से जगाने और प्रेरित करने के लिए, अंग्रेजी, हिंदी और उर्दू में अन्य महत्वपूर्ण कार्यों के अलावा, मैजिनी, गैरीबाल्डी, शिवाजी, दयानंद और श्री कृष्ण की जीवनी लिखी। उन्हें प्रसिद्ध रूप से "पंजाब का शेर" कहा जाता था।

4. उत्तर: (b)

युग्म 1 सही सुमेलित है: ब्रिटिश इंडियन एसोसिएशन 31 अक्टूबर 1851 को "लैंडहोल्डर्स सोसाइटी" और "ब्रिटिश इंडिया सोसाइटी" को मजबूत करने के बाद बनाया गया था। यह भारतीयों को एक साथ लाने वाला पहला राजनीतिक संगठन था। इस संगठन की पहली समिति के अध्यक्ष राजा राधाकांत देब थे, जबकि देवेंद्रनाथ टैगोर इसके सचिव थे। इस समाज का समाचार पत्र "हिंदू पेट्रियट" था, जिसने एक मुखर आलोचनात्मक राजनीतिक स्वर अपनाया।

युग्म 2 सही सुमेलित नहीं है: मद्रास प्रेसीडेंसी में भारतीयों के अधिकारों के लिए पहला संगठन मद्रास नेटिव एसोसिएशन था, जिसे 1849 में गज़ुलु लक्ष्मीनारसु चेट्टी द्वारा स्थापित किया गया था। मई 1884 में, एस. रामास्वामी मुदलियार और पी. आनंदचारलू ने मद्रास महाजन सभा को स्थापित किया।

युग्म 3 सही सुमेलित है: इंडियन नेशनल एसोसिएशन 1876 में सुरेंद्रनाथ बनर्जी और आनंद मोहन बोस द्वारा ब्रिटिश भारत में स्थापित पहला घोषित राष्ट्रवादी संगठन था। इसे मूल रूप से भारत सभा के रूप में स्थापित किया गया था और कलकत्ता में इसका पहला वार्षिक सम्मेलन आयोजित किया गया था। इसका 1885 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस में विलय हो गया। इसने राजनीतिक कार्रवाई के लिए हिंदुओं और मुसलमानों को एक साथ लाने की मांग की।

5. उत्तर: (b)

कथन 1 सही नहीं है: पहला कारखाना अधिनियम 1881 में पारित किया गया था। इसका उद्देश्य श्रमिकों की कार्य स्थितियों में सुधार करना था। इस अधिनियम ने सात साल से कम उम्र के बच्चों के नियोजन पर रोक लगा दी, बारह साल से कम उम्र के बच्चों के लिए काम के घंटों की संख्या सीमित कर दी और खतरनाक मशीनरी कि ठीक से बाड़बंदी करने की आवश्यकता थी। इस प्रकार, पहली बार, ब्रिटिश सरकार ने कारखानों में मजदूरों की काम करने की स्थिति में सुधार करने की कोशिश की। इसने न तो औद्योगिक श्रमिकों की मजदूरी तय की और न ही श्रमिकों को विशेष रूप से ट्रेड यूनियन बनाने की अनुमति दी।

कथन 2 सही है: एन.एम. लोखंडे ब्रिटिश भारत में श्रमिक आंदोलन के

unacademy.com | Download the Unacademy app
https://t.me/OTT_IAS (Type this name exactly to get free PCB12),
Give your feedback here: Link

अग्रणी थे। उन्हें 19वीं शताब्दी में कपड़ा मिल-कर्मियों की कामकाजी परिस्थितियों में सुधार करने और जाति और सांप्रदायिक मुद्दों पर उनकी साहसी पहल के लिए काम करने के लिए याद किया जाता है।

निरसन तकनीक: हम जानते हैं कि एन.एम लोखंडे ब्रिटिश भारत में श्रमिक आंदोलन के अग्रणी थे। इसलिए अब हमारे पास b और c रह गए हैं यदि हम पहले कथन को करीब से देखते हैं तो यह पहले श्रम संहिता के लिए औद्योगिक श्रमिकों के वेतन को तय करने के बारे में बात करने के लिए बहुत संजीदा है, इसलिए पहला कथन गलत है।

6. **उत्तर: (b)**

विकल्प (b) सही है: सूरत विभाजन भारत में राष्ट्रवादी आंदोलन के इतिहास में एक महत्वपूर्ण मोड़ था। 1907 में सूरत में कांग्रेस दो समूहों में विभाजित हो गई, अर्थात् नरमपंथी और उग्रवादी। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (INC) में विभाजन का मुख्य कारण यह था कि नरमपंथियों को यह विश्वास नहीं था कि चरमपंथियों में ब्रिटिश सरकार के साथ बातचीत करने की क्षमता है।

इन दोनों वर्गों के बीच दरार कांग्रेस के बनारस अधिवेशन (1905) में स्पष्ट रूप से दिखाई दी, जब तिलक के नेतृत्व में कुछ राष्ट्रवादियों ने नरमपंथियों के तरीके की निंदा की और निष्क्रिय प्रतिरोध का सुझाव दिया। उन्होंने ब्रिटिश वस्तुओं और सरकारी संस्थानों के बहिष्कार की भी वकालत की। 1907 में सूरत विभाजन के बाद नरमपंथियों ने पूर्ण स्वतंत्रता की चरमपंथी मांग के विपरीत, औपनिवेशिक स्वशासन की मांग की।

7. **उत्तर: (a)**

विकल्प (a) सही है: 'स्वदेशी' और 'बहिष्कार' को बंगाल के विभाजन के खिलाफ आंदोलन के दौरान पहली बार संघर्ष के तरीकों के रूप में अपनाया गया था। बंगाल के स्वदेशी आंदोलन (1905-1908) को भारतीय राष्ट्रवादी आंदोलन की प्रासंगिक कथा में एक महत्वपूर्ण ऐतिहासिक घटना के रूप में देखा जाता है, जो कहानी को 1947 में अपने अंतिम चरमोत्कर्ष पर ले जाता है। बंगाल प्रांत के विभाजन के लिए लॉर्ड कर्जन का अलोकप्रिय निर्णय। 1905, इस लोकप्रिय आंदोलन का नेतृत्व किया, जो चरमपंथी नेतृत्व के तहत आंदोलन के तरीकों के रूप में 'स्वदेशी' और 'बहिष्कार' के प्रभावी उपयोग के इर्द-गिर्द आयोजित किया गया था। 1911 में बंगाल के बाद के एकीकरण को आंदोलन की सफलता का प्रतीक माना जाने लगा।

महात्मा गांधी ने स्वदेशी को "उपभोक्ता को उन उद्योगों का समर्थन करने के कारण होने वाली हिंसा के बारे में जागरूक होने का आह्वान" के रूप में वर्णित किया, जिसके परिणामस्वरूप गरीबी, श्रमिकों और मनुष्यों और अन्य प्राणियों को नुकसान पहुंचा। स्वदेशी आंदोलन घरेलू निर्मित उत्पादों का उपयोग करके अंग्रेजों से आर्थिक शक्ति लेने का एक प्रयास था।

8. **उत्तर: (a)**

विकल्प (a) सही है: स्वदेशी आंदोलन ने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस में विभाजन में योगदान दिया है जिसके परिणामस्वरूप 'नरमपंथियों' और 'चरमपंथियों' का उदय हुआ है।

- सूरत विभाजन भारत में राष्ट्रवादी आंदोलन के इतिहास में एक महत्वपूर्ण मोड़ था। 1907 में सूरत में कांग्रेस दो समूहों में विभाजित हो गई, अर्थात् नरमपंथी और उग्रवादी। इन दो वर्गों के बीच दरार कांग्रेस के बनारस अधिवेशन (1905) में स्पष्ट रूप से दिखाई दी, जब तिलक के नेतृत्व में कुछ राष्ट्रवादियों ने नरमपंथियों के तरीके की निंदा की और निष्क्रिय प्रतिरोध का सुझाव दिया।
- उन्होंने ब्रिटिश वस्तुओं और सरकारी संस्थानों के बहिष्कार की भी वकालत की। 1907 में सूरत विभाजन के बाद नरमपंथियों ने पूर्ण स्वतंत्रता की चरमपंथी मांग के विपरीत, औपनिवेशिक स्वशासन की मांग की।

9. **उत्तर: (b)**

कथन 1 सही नहीं है: आयरिश मूल की एनी बेसेंट, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (INC) की पहली महिला अध्यक्ष थीं, जिन्होंने 1917 के कलकत्ता अधिवेशन में INC की अध्यक्षता की थी। सरोजिनी नायडू को भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का अध्यक्ष नियुक्त किया गया था 1925 और बाद में 1947 में संयुक्त प्रांत की राज्यपाल बनीं, भारत के डोमिनियन में राज्यपाल का पद संभालने वाली पहली महिला बनीं।

कथन 2 सही है: बदरुद्दीन तैयबजी बॉम्बे के उच्च न्यायालय के बैरिस्टर के रूप में प्रैक्टिस करने वाले पहले भारतीय थे जिन्होंने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के तीसरे अध्यक्ष के रूप में कार्य किया। वह संस्थापक सदस्यों में से एक थे और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के पहले मुस्लिम अध्यक्ष थे।

निरसन तकनीक: एनी बेसेंट, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (INC) की पहली महिला अध्यक्ष थीं न कि सरोजिनी नायडू। दूसरा कथन तथ्य आधारित है।

10. **उत्तर: (d)**

विकल्प (d) सही है: दादाभाई नौरोजी, आर.सी. दत्त, रानाडे, गोखले, जी. सुब्रमण्यम अय्यर उन लोगों में शामिल थे, जिन्होंने हॉब्सन और लेनिन से पहले उपनिवेशवाद की दुनिया की पहली आर्थिक आलोचना को उकेरकर साम्राज्यवाद-विरोधी की नींव पर भारतीय राष्ट्रवाद को मजबूती से टिका दिया था। आर्थिक निकास या धन-निष्कासन (Drain of Wealth) दादाभाई नौरोजी द्वारा विकसित किया गया था। आर.सी. दत्त के अनुसार, बढ़ी हुई गरीबी और कम मजदूरी

unacademy.com | Download the Unacademy app
https://t.me/OTT_IAS (Type this name exactly to get free PCB12),
Give your feedback here: Link

औपनिवेशिक शासन के अप्रत्यक्ष परिणामों में से थे।

निरसन तकनीक: सभी स्वतंत्रता सेनानी थे और वे सभी विदेशी शासन की आलोचना करते थे (जो आलोचना नहीं करेंगे)। इसलिए भले ही हम नहीं जानते हों, यह एक प्रबल संभावना है कि सभी उत्तर होंगे।

11. उत्तर: (b)

बंगाल के विभाजन के ब्रिटिश सरकार के निर्णय को दिसंबर 1903 में सार्वजनिक किया गया था। इसमें मुख्य विचार दो प्रांतों के लिए था: बंगाल जिसमें पश्चिमी बंगाल के साथ-साथ बिहार और उड़ीसा और पूर्वी बंगाल और असम के प्रांत शामिल थे। बंगाल ने कलकत्ता को अपनी राजधानी के रूप में बरकरार रखा, जबकि ढाका पूर्वी बंगाल की राजधानी बन गया।

विकल्प (d) सही है: बंगाल का आधिकारिक तौर पर 16 अक्टूबर, 1905 को वायसराय कर्जन द्वारा विभाजन किया गया था। किंग जॉर्ज पंचम ने 1911 में कलकत्ता में एक दरबार आयोजित किया और बंगाल के विभाजन को रद्द करने की घोषणा मुख्य रूप से क्रांतिकारी गतिविधियों के खतरे को रोकने और ब्रिटिश भारत की राजधानी को दिल्ली में स्थानांतरित करने के लिए की।

12. उत्तर: (c)

विकल्प (c) सही है: 1883 में वायसराय रिपन के कानूनी सदस्य, लॉर्ड इल्बर्ट ने "जातिगत भेद के आधार पर न्यायिक अयोग्यता" को समाप्त करने और अनुबंधित सिविल सेवा के भारतीय सदस्यों को वही शक्तियां और अधिकार देने की मांग की थी जो उनके यूरोपीय समकक्षों द्वारा को प्राप्त थे। यूरोपीय समुदाय के कड़े विरोध के कारण, रिपन को बिल को संशोधित करना पड़ा, इस प्रकार मूल उद्देश्य को लगभग विफल कर दिया।

13. उत्तर: (b)

विकल्प (b) सही है: भारतीय (राष्ट्रीय) सामाजिक सम्मेलन की स्थापना एम.जी. रानाडे और रघुनाथ राव, भारतीय सामाजिक सम्मेलन 1887 में मद्रास में अपने पहले सत्र से उसी समय और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के रूप में वार्षिक रूप से मिले। इसने महत्व के सामाजिक मुद्दों पर ध्यान केंद्रित किया; इसे वास्तव में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का समाज सुधार प्रकोष्ठ कहा जा सकता है। सम्मेलन ने अंतर्जातीय विवाह की वकालत की, बहुविवाह और कुलीनवाद का विरोध किया। इसने लोगों को बाल विवाह के खिलाफ प्रतिज्ञा लेने के लिए प्रेरित करने के लिए 'प्रतिज्ञा आंदोलन' शुरू किया।

14. उत्तर: (a)

उन्नीसवीं सदी के पूर्वार्ध के शुरुआती बुद्धिजीवियों ने इस धारणा के तहत ब्रिटिश शासन का समर्थन किया कि यह नवीनतम तकनीक और पूंजीवादी आर्थिक संगठन के आधार पर देश का आधुनिकीकरण करेगा। 1860 के दशक के बाद, राजनीतिक रूप से जागरूक लोगों में मोहभंग होना शुरू हो गया और उन्होंने भारत में ब्रिटिश शासन की वास्तविकता की जांच शुरू कर दी।

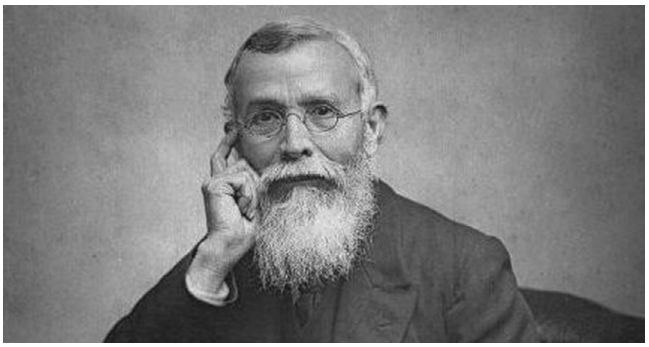

विकल्प (a) सही है: इन आर्थिक विश्लेषकों में सबसे प्रमुख थे दादाभाई नौरोजी, 'ग्रैंड ओल्ड मैन ऑफ इंडिया', जिन्होंने औपनिवेशिक अर्थव्यवस्था के शानदार विश्लेषण के बाद भारत में गरीबी और ब्रिटिश शासन के तहत धन-निष्कासन का सिद्धांत सामने रखा और अंग्रेजों द्वारा भारत के आर्थिक शोषण को उजागर किया।

15. उत्तर: (b)

1858 से 1947 तक प्रत्यक्ष ब्रिटिश शासनकाल के दौरान, औपनिवेशिक सरकार द्वारा ब्रिटेन को धन के आधिकारिक हस्तांतरण को "होम चार्जेज"' कहा जाता था। वे मुख्य रूप से ऋण सेवा, पेंशन, यूके में भारत कार्यालय के खर्च, सैन्य वस्तुओं और रेलवे उपकरणों की खरीद का प्रतिनिधित्व करते थे। असैन्य वस्तुओं, हथियारों और नौवहन की सरकारी खरीद लगभग विशेष रूप से यूके में ही की गई थी। 1930 के दशक तक ये घरेलू शुल्क £40 से £50 मिलियन प्रति वर्ष की सीमा में थे। कुछ सरकारी खर्च आयात पर होता था जिसे एक स्वतंत्र सरकार स्थानीय निर्माताओं से खरीदती। इन आधिकारिक भुगतानों में से, हम वैध रूप से गैर-उत्पादक ऋण, पेंशन, और फ़र्लो भुगतानों पर सेवा शुल्कों को उपनिवेशवाद के कारण भुगतान संतुलन के संतुलन के रूप में मान सकते हैं।

घरेलू शुल्क:

- लंदन में विदेश मंत्री के भारत कार्यालय के सचिव की लागत। **(विकल्प 1 सही है)**
- ईस्ट इंडिया कंपनी का सैन्य साहसिक कार्य।
- ब्रिटिश भारतीय अधिकारियों और सेना के अधिकारियों को वेतन और पेंशन। **(विकल्प 2 सही है)**
- कंपनी के शेयरधारकों का मुआवजा।
- सेना के प्रशिक्षण की लागत।
- भारत के बाहर परिवहन, उपकरण और अभियान।
- रेलवे पर गारंटीड ब्याज।

unacademy.com | Download the Unacademy app
https://t.me/OTT_IAS (Type this name exactly to get free PCB12),
Give your feedback here: Link

निरसन तकनीक: अंग्रेजों द्वारा भारत के बाहर युद्ध शुरू करने के लिए इस्तेमाल किए गए धन को होम चार्ज में शामिल नहीं किया गया था।

16. उत्तर: (a)

विकल्प (a) सही है: 1893 में, सर विलियम वेडरबर्न ब्रिटिश संसद के सदस्य बने। उन्होंने साथ में डब्ल्यू.एस. केन और लॉर्ड क्लाइवड ने ब्रिटिश संसद (हाउस ऑफ कॉमन्स) में भारतीय समस्याओं को उनके वास्तविक रूप में प्रस्तुत करने के लिए भारतीय संसदीय समिति की स्थापना की।

- सर विलियम वेडरबर्न ने 1889 और 1910 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया।

unacademy.com | Download the Unacademy app
https://t.me/OTT_IAS (Type this name exactly to get free PCB12),
Give your feedback here: Link

5 Phases of Revolutionary Nationalism

1. **निम्नलिखित स्वतन्त्रता सेनानियों पर विचार कीजिए: (2022)**

   1. बारीन्द्र कुमार घोष
   2. जोगेश चन्द्र चटर्जी
   3. रास बिहारी बोस

   उपर्युक्त में से कौन ग़दर पार्टी के साथ सक्रिय रूप से जुड़ा था/जुड़े थे?

   (a) 1 और 2

   (b) केवल 2

   (c) 1 और 3

   (d) केवल 3

2. **ग़दर क्या था: (2014)**

   (a) भारतीयों का क्रांतिकारी संघ जिसका मुख्यालय सैन फ्रांसिस्को में है

   (b) सिंगापुर से संचालित राष्ट्रवादी संगठन

   (c) बर्लिन में मुख्यालय वाला उग्रवादी संगठन

   (d) ताशकंद में मुख्यालय वाला भारत की स्वतंत्रता के लिए कम्युनिस्ट आंदोलन

unacademy.com | Download the Unacademy app
https://t.me/OTT_IAS (Type this name exactly to get free PCB12),
Give your feedback here: Link

5 Phases of Revolutionary Nationalism-Explanation

1. **उत्तर:** (d)

विकल्प d सही है:

बरिंद्र कुमार घोष: अनुशीलन समिति
जोगेश चंद्र चटर्जी: अनुशीलन समिति
रास बिहारी बोस: ग़दर पार्टी

2. **उत्तर:** (a)

विकल्प (a) सही है: ग़दर पार्टी एक भारतीय क्रांतिकारी संगठन था, जिसका गठन 1913 में सैन फ्रांसिस्को, संयुक्त राज्य अमेरिका में प्रवासी भारतीयों द्वारा भारत को ब्रिटिश शासन से मुक्त करने के उद्देश्य से किया गया था। इस पार्टी को बाबा सोहन सिंह भकना के अध्यक्ष के रूप में लाला हरदयाल के नेतृत्व में प्रशांत तट के हिंदी संघ के रूप में स्थापित किया गया था।

unacademy.com | Download the Unacademy app
https://t.me/OTT_IAS (Type this name exactly to get free PCB12),
Give your feedback here: Link

6 The Beginning of Gandhian Era

1. **भारत सरकार अधिनियम 1919 में, प्रांतीय सरकार के कार्य "आरक्षित (रिज़र्व्ड)" और "अंतरित (ट्रांसफर्ड)" विषयों के अंतर्गत बाँटे गए थे । निम्नलिखित में कौन-से "आरक्षित" विषय माने गए थे? (2022)**
   1. न्याय प्रशासन
   2. स्थानीय स्वशासन
   3. भू-राजस्व
   4. पुलिस

   नीचे दिए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए:

   (a) 1, 2 और 3
   (b) 2, 3 और 4
   (c) 1, 3 और 4
   (d) 1, 2 और 4

2. **निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए: (2021)**
   1. 1919 के मांटेग्यू-चेम्सफोर्ड सुधारों में, 21 वर्ष से अधिक आयु की सभी महिलाओं के लिए मताधिकार की संस्तुति की गई।
   2. 1935 के गवर्नमेंट ऑफ इंडिया ऐक्ट में, विधानमंडल में महिलाओं के लिए आरक्षित स्थानों का प्रावधान किया गया।

   उपर्युक्त बनों में से कौन-सा / कौन-से सही है/है?

   (a) केवल 1
   (b) केवल 2
   (c) 1 और 2 दोनों
   (d) न तो 1 और न ही 2

3. **इनमें से कौन अंग्रेजी में अनूदित प्राचीन भारतीय धार्मिक गीतिकाव्य- 'सॉन्ग्स फ्रॉम प्रिजन' से संबद्ध हैं? (2021)**

   (a) बाल गंगाधर तिलक
   (b) जवाहरलाल नेहरू
   (c) मोहनदास करमचंद गाँधी
   (d) सरोजिनी नायडू

4. **गाँधी-इरविन समझौते में निम्नलिखित में से क्या सम्मिलित था/थे ? (2020)**
   1. गोल मेज सम्मलेन में भाग लेने के लिए काँग्रेस को आमंत्रित करना
   2. असहयोग आंदोलन के संबंध में जारी किए गए अध्यादेशों को वापस लेना
   3. पुलिस की ज़्यादतियों की जाँच करने हेतु गाँधीजी के सुझाव की स्वीकृति
   4. केवल उन्हीं कैदियों की रिहाई जिन पर हिंसा का अभियोग नहीं था

   नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए :

   (a) केवल 1
   (b) केवल 1, 2 और 4
   (c) केवल 3
   (d) केवल 2, 3 और 4

5. **भारत में ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए: (2019)**
   1. 'बंधुआ मजदूर' प्रणाली को समाप्त करने में महात्मा गांधी की अहम भूमिका थी।
   2. लॉर्ड चेम्सफोर्ड के 'वॉर कॉन्फरेन्स' में, महात्मा गांधी ने विश्व युद्ध के लिए भारतीयों की भर्ती के प्रस्ताव का समर्थन नहीं किया।
   3. भारतीय लोगों द्वारा नमक कानून तोड़ने के परिणामस्वरूप, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को औपनिवेशिक शासकों द्वारा अवैध घोषित कर दिया गया था।

   उपर्युक्त में से कौन-से कथन सही हैं?

   (a) केवल 1 और 2
   (b) केवल 1 और 3
   (c) केवल 2 और 3
   (d) 1, 2 और 3

unacademy.com | Download the Unacademy app
https://t.me/OTT_IAS (Type this name exactly to get free PCB12),
Give your feedback here: Link

6. **स्वदेशी आंदोलन के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए: (2019)**

1. इसने देशी शिल्पकारों के कौशल तथा उद्योगों को पुनर्जीवित करने में योगदान किया।
2. स्वदेशी आंदोलन के एक अवयव के रूप में राष्ट्रीय शिक्षा परिषद् की स्थापना हुई थी।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) न तो 1, न ही 2

7. **निम्नलिखित में से कौन-सा विकल्प चंपारण सत्याग्रह का एक अति महत्वपूर्ण पहलू है? (2018)**

(a) राष्ट्रीय आंदोलन में अखिल भारतीय स्तर पर अधिवक्ताओं, विद्यार्थियों और महिलाओं की सक्रिय सहभागिता

(b) राष्ट्रीय आंदोलन में भारत के दलित और आदिवासी समुदायों की सक्रिय भागीदारी

(c) भारत के राष्ट्रीय आंदोलन में किसान असंतोष का सम्मिलित होना

(d) रोपण फसलों तथा वाणिज्यिक फसलों की खेती में भारी गिरावट

8. **1920 में, निम्नलिखित में से किसने अपना नाम बदलकर "स्वराज्य सभा" कर दिया? (2018)**

(a) ऑल इंडिया होम रूल लीग

(b) हिंदू महासभा

(c) साउथ इंडियन लिबरल फेडरेशन

(d) भारत सेवक समाज

9. **भारत शासन अधिनियम, 1935 के द्वारा स्थापित संघ में अवशिष्ट शक्तियाँ किसे दी गई थीं? (2018)**

(a) संघीय विधान-मंडल को

(b) गवर्नर जनरल को

(c) प्रांतीय विधानमंडल को

(d) प्रांतीय राज्यपाल को

10. **1929 का व्यापार विवाद अधिनियम निम्नलिखित में से किसका उपबंध करता है- (2017)**

(a) उद्योगों के प्रबंधन में श्रमिकों की भागीदारी।

(b) औद्योगिक विवादों के दमन के लिए प्रबंधन को मनमानी करने की शक्ति।

(c) व्यापार विवाद की स्थिति में ब्रिटिश न्यायालय द्वारा हस्तक्षेप।

(d) अधिकरणों की प्रणाली और हड़तालों पर प्रतिबंध।

11. **भारतीय इतिहास के सन्दर्भ में 'द्वैध शासन (द्वैध शासन)' का सिद्धांत किससे संबंधित है? (2017)**

(a) केंद्रीय विधायिका का दो सदनों में विभाजन।

(b) दोहरी सरकार, यानी केंद्र और राज्य सरकारों का आरंभ।

(c) शासकों के दो समूह हैं, एक लंदन में और दूसरा दिल्ली में।

(d) प्रांतों को सौंपे गए विषयों का विभाजन दो श्रेणियों में किया गया।

12. **1927 की बटलर समिति का उद्देश्य था? (2017)**

(a) केंद्र और प्रांतीय सरकारों के अधिकार क्षेत्र को परिभाषित करना।

(b) भारत के राज्य सचिव की शक्तियों को परिभाषित करना।

(c) राष्ट्रीय प्रेस पर सेंसरशिप लागू करना।

(d) भारत सरकार और भारतीय राज्यों के बीच संबंधों में सुधार।

13. **मोंटेग्यू-चेम्सफोर्ड प्रस्ताव किससे संबंधित था (2016)**

(a) समाज सुधार

(b) शिक्षा सुधार

(c) लोक प्रशासन में सुधार

(d) संवैधानिक सुधार

14. **भारत शासन अधिनियम, 1919 ने स्पष्ट रूप से क्या परिभाषित किया (2015)**

(a) न्यायपालिका और विधायिका के बीच शक्तियों का पृथक्करण

(b) केंद्र और प्रांतीय सरकारों के अधिकार क्षेत्र

(c) भारत के राज्य सचिव और वायसराय की शक्तियां

(d) इनमे से कोई भी नहीं

unacademy.com | Download the Unacademy app
https://t.me/OTT_IAS (Type this name exactly to get free PCB12),
Give your feedback here: Link

15. निम्नलिखित में से किसने अप्रैल 1930 में नमक कानून तोड़ने के लिए तंजौर तट पर एक मार्च का आयोजन किया था? (2015)

(a) वी.ओ चिदंबरम पिल्लै

(b) सी. राजगोपालाचारी

(c) के. कामराजी

(d) एनी बेसेंट

16. रॉलेट सत्याग्रह के संदर्भ में, निम्नलिखित में से कौन सा/से कथन सही है/हैं? (2015)

1. रॉलेट एक्ट 'राजद्रोह समिति' की सिफारिशों पर आधारित था।
2. रॉलेट सत्याग्रह में गांधीजी ने होमरूल लीग का प्रयोग करने का प्रयास किया।
3. साइमन कमीशन के खिलाफ प्रदर्शन रॉलेट सत्याग्रह के साथ हुए।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए:

(a) केवल 1

(b) केवल 1 और 2

(c) केवल 2 और 3

(d) 1, 2 और 3

17. कांग्रेस सोशलिस्ट पार्टी के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए: (2015)

1. इसने ब्रिटिश वस्तुओं के बहिष्कार और करों की चोरी की वकालत की।
2. यह सर्वहारा वर्ग की तानाशाही स्थापित करना चाहता था।
3. इसने अल्पसंख्यकों और उत्पीड़ित वर्गों के लिए पृथक निर्वाचक मंडल की वकालत की।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1 और 2

(b) केवल 3

(c) 1, 2 और 3

(d) उपरोक्त में से कोई नहीं

18. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का 1929 का अधिवेशन स्वतंत्रता आंदोलन के इतिहास में महत्वपूर्ण है क्योंकि (2014)

(a) स्वशासन की प्राप्ति को कांग्रेस का उद्देश्य घोषित किया गया

(b) पूर्ण स्वराज की प्राप्ति को कांग्रेस के लक्ष्य के रूप में अपनाया गया था

(c) असहयोग आंदोलन शुरू किया गया था

(d) लंदन में गोलमेज सम्मेलन में भाग लेने का निर्णय लिया गया

19. भारत के लोगों ने साइमन कमीशन के आगमन के विरोध में आंदोलन किया क्योंकि (2013)

(a) भारतीय कभी नहीं चाहते थे कि 1919 के अधिनियम की कार्यप्रणाली की समीक्षा की जाए।

(b) साइमन कमीशन ने प्रांतों में द्वैध शासन (द्वैध शासन) को समाप्त करने की सिफारिश की।

(c) साइमन कमीशन में कोई भारतीय सदस्य नहीं था।

(d) साइमन कमीशन ने देश के विभाजन का सुझाव दिया था।

20. 1919 के भारत शासन अधिनियम की निम्नलिखित में से कौन-सी प्रमुख विशेषता/विशेषताएँ है/हैं? (2012)

1. प्रान्तों की कार्यकारिणी सरकार में द्वैध-शासन की व्यवस्था
2. मुसलमानों के लिए पृथक साम्प्रदायिक निर्वाचक-मण्डलों की व्यवस्था
3. केन्द्र द्वारा प्रान्तों को विधायिनी शक्ति का हस्तान्तरण

निम्नलिखित कूटों के आधार पर सही उत्तर चुनिए:

(a) केवल 1

(b) केवल 2 और 3

(c) केवल 1 और 3

(d) 1, 2 और 3

21. रॉलेट एक्ट का उद्देश्य था: (2012)

(a) युद्ध के प्रयासों के लिए अनिवार्य आर्थिक सहायता।

(b) परीक्षण के बिना कारावास और परीक्षण के लिए सारांश प्रक्रियाएं।

(c) खिलाफत आंदोलन का दमन।

(d) प्रेस की स्वतंत्रता पर प्रतिबंध लगाना।

unacademy.com | Download the Unacademy app
https://t.me/OTT_IAS (Type this name exactly to get free PCB12),
Give your feedback here: Link

22. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का लाहौर अधिवेशन (1929) इतिहास में बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि (2012)

1. कांग्रेस ने पूर्ण स्वतंत्रता की मांग करते हुए एक प्रस्ताव पारित किया।
2. उस सत्र में गरमपंथियों और नरमपंथियों के बीच की दरार को सुलझा लिया गया था।
3. उस सत्र में द्विराष्ट्र सिद्धांत को खारिज करते हुए एक प्रस्ताव पारित किया गया था।

निम्नलिखित में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2 और 3

(c) केवल 1 और 3

(d) इनमें से कोई भी नहीं

23. 1939 में सात प्रांतों में कांग्रेस मंत्रालयों ने इस्तीफा दे दिया, क्योंकि (2012)

(a) कांग्रेस अन्य चार प्रांतों में मंत्रालय नहीं बना सकी।

(b) कांग्रेस में एक 'वामपंथी' के उदय ने मंत्रालयों के कामकाज को असंभव बना दिया।

(c) उनके प्रांतों में व्यापक सांप्रदायिक अशांति थी।

(d) उपर्युक्त कथनों (a), (b) और (c) में से कोई भी सही नहीं है।

24. महात्मा गांधी ने कहा था कि उनकी कुछ सबसे गहन धारणाएं "ऑनटू दिस लास्ट" नामक पुस्तक में प्रतिबिंबित होती हैं और इस पुस्तक ने उनके जीवन को बदल डाला। इस पुस्तक का वह संदेश क्या था जिसने महात्मा गांधी को बदल डाला? (2011)

(a) सुशिक्षित व्यक्ति का यह नैतिक दायित्व है कि वह शोशित तथा निर्धनों का उत्थान करे

(b) व्यक्ति का कल्याण सब के कल्याण में निहित है

(c) उच्च जीवन के लिए ब्रह्मचर्य तथा आध्यात्मिक चिंतन अनिवार्य है

(d) इस संदर्भ में सभी उपर्युक्त (a) (b) तथा (c) कथन सही है।

25. भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के काल के संदर्भ में नेहरू रिपोर्ट में निम्नलिखित में से किस की/किस-किस की अनुशंसा की गई थी? (2011)

1. भारत के लिए पूर्ण स्वतंत्रता
2. अल्पसंख्यकों हेतु आरक्षित स्थानों के लिए संयुक्त निर्वाचन क्षेत्र
3. संविधान में भारतीयों के लिए मौलिक अधिकारों का प्रावधान

निम्नलिखित कूटों के आधार पर सही उत्तर चुनिए:

(a) केवल 1

(b) केवल 2 और 3

(c) केवल 1 और 3

(d) 1, 2 और 3

26. खेड़ा के किसानों के पक्ष में महात्मा गांधी के सत्याग्रह संघटित करने का क्या कारण था? (2011)

1. अकाल पड़ने के बावजूद प्रशासन ने भू-राजस्व की उगाही स्थगित नहीं की थी।
2. प्रशासन का यह प्रस्ताव था कि गुजरात में स्थाई बंदोबस्त लागू कर दिया जाये।

उपर्युक्त में से कौन-सा/कौन-से कथन सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) न तो 1, न ही 2

unacademy.com | Download the Unacademy app
https://t.me/OTT_IAS (Type this name exactly to get free PCB12),
Give your feedback here: Link

6 The Beginning of Gandhian Era-Explanation

1. **उत्तर:** (c)

विकल्प c सही है: न्याय, पुलिस, भू-राजस्व और सिंचाई कानून और व्यवस्था की श्रेणी के तहत आरक्षित विषयों में से थे। स्थानीय स्वशासन, शिक्षा, सार्वजनिक स्वास्थ्य, सार्वजनिक कार्य, कृषि, वन और मत्स्य पालन हस्तांतरित विषयों में से थे (अर्थात, भारतीय मंत्रियों के नियंत्रण में)।

2. **उत्तर:** (b)

कथन 1 सही नहीं है: अगस्त 1917 के मोंटेग्यू के बयान में निहित सरकारी नीति के अनुरूप, सरकार ने जुलाई 1918 में और संवैधानिक सुधारों की घोषणा की, **जिन्हें मोंटेग्यू-चेम्सफोर्ड या मोंटफोर्ड सुधार के रूप में जाना जाता है। महिलाओं को भी वोट देने का अधिकार दिया गया था, लेकिन सभी महिलाओं को यह अधिकार नहीं दिया गया था। यह सार्वभौमिक मताधिकार नहीं था। इसने संपत्ति, कर या शिक्षा के आधार पर सीमित संख्या में लोगों को मताधिकार प्रदान किया।**

कथन 2 सही है: भारत सरकार अधिनियम 1935 ने दलित वर्गों (अनुसूचित जातियों), महिलाओं और श्रमिकों (श्रमिकों) के **लिए अलग निर्वाचक मंडल प्रदान करके सांप्रदायिक प्रतिनिधित्व के सिद्धांत को बढ़ाया। महिलाएं सामान्य सीटों पर भी लड़ सकती हैं।** इसलिए, इस अधिनियम ने महिलाओं को विधायिका में आरक्षित सीटें दीं।

3. **उत्तर:** (c)

विकल्प (c) सही है: 1930 में यरवदा जेल में अपने कारावास के दौरान, मोहनदास करमचंद गांधी जी ने उपनिषदों और अन्य पवित्र ग्रंथों के भजनों और गीतों का अनुवाद किया। इन ग्रंथों **को 'जेल से गीत'** के रूप में जाना जाता था।

4. **उत्तर:** (b)

विकल्प (b) सही है: गांधी-इरविन समझौते पर कांग्रेस की ओर से गांधीजी द्वारा और सरकार की ओर से लॉर्ड इरविन द्वारा 5 मार्च 1931 को हस्ताक्षर किए गए थे। इस समझौते ने कांग्रेस को सरकार के बराबर का दर्जा दिया। समझौते की शर्तों में हिंसा के दोषी सभी राजनीतिक कैदियों की तत्काल रिहाई, अभी तक एकत्र नहीं किए गए सभी जुर्माने की छूट, सविनय अवज्ञा आंदोलन के संबंध में प्रख्यापित आपातकालीन अध्यादेशों को वापस लेना, उन सभी भूमि की वापसी शामिल है जो अभी तक तीसरे पक्ष को नहीं बेची गई हैं। हालाँकि, वायसराय ने गांधी की दो मांगों को ठुकरा दिया, जिसमें पुलिस ज्यादतियों की सार्वजनिक जाँच और भगत सिंह और उनके साथियों की मौत की सजा को उम्रकैद में बदलना शामिल था। कांग्रेस की ओर से गांधी सविनय अवज्ञा आंदोलन को स्थगित करने के लिए सहमत हुए और कांग्रेस को अगले गोलमेज सम्मेलन में भाग लेने का निमंत्रण मिला।

5. **उत्तर:** (b)

कथन 1 सही है: बंधुआ मजदूर पश्चिमी साम्राज्यवादियों के विभिन्न उपनिवेशों में वृक्षारोपण पर काम करने के लिए अनुबंध पर रखा गया बंधुआ मजदूर था। चूंकि भारत कृषि संकट और ठहराव के दौर से गुजर रहा था, कई किसान, विदेशी राज्यों में अग्रिम और अच्छे वेतन के लालच के कारण गिरमिटिया श्रम की व्यवस्था में परिवर्तित हो गए। 11 सितंबर, 1906 को जोहान्सबर्ग के इंपीरियल थिएटर में महात्मा गांधी द्वारा एक जनसभा आयोजित की गई थी, जहां 3,000 लोगों ने कानून की अवहेलना करने का संकल्प लिया था।

कथन 2 सही नहीं है: भारत के तत्कालीन वायसराय लॉर्ड चेम्सफोर्ड ने साम्राज्य का विश्वास हासिल करने के लिए एक पुरस्कार सम्मेलन में गांधीजी को दिल्ली आमंत्रित किया और गांधीजी प्रथम विश्व युद्ध के लिए सेना में भर्ती होने के लिए लोगों को स्थानांतरित करने के लिए सहमत हुए। वह इस संकल्प के साथ सहमत हुए कि शिक्षित भारत की ओर से सरकार के साथ पूर्णतया:, बिना शर्त और पूरे दिल से सहयोग हमें स्वराज, न कि कुछ और, के हमारे लक्ष्य की दृष्टि में लाएगा।

कथन 3 सही है: 1928 के कलकत्ता कांग्रेस में, गांधीजी ने घोषणा की कि अंग्रेजों को भारत को प्रभुत्व का दर्जा देना चाहिए अन्यथा देश में पूर्ण स्वतंत्रता के लिए एक क्रांति फैल जाएगी। नमक मार्च या दांडी मार्च 12 मार्च 1930 को शुरू किया गया था और 24 दिनों की अवधि के लिए बढ़ाया गया था। यह मार्च साबरमती आश्रम से गुजरात के दांडी तक था। नमक कानून गांधीजी ने 6 अप्रैल को तोड़ा था जब उन्होंने भूमि से नमक एकत्र किया था। पुलिस ने नमक कानून तोड़ने वालों से निपटने के लिए अपने सामान्य क्रूर तरीकों का सहारा लिया और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को अवैध घोषित कर दिया गया।

6. **उत्तर:** (c)

लॉर्ड कर्जन द्वारा जुलाई 1905 में बंगाल के विभाजन की घोषणा के खिलाफ, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस द्वारा बंगाल में स्वदेशी आंदोलन की घोषणा की गई थी। यह एक विरोध आंदोलन के रूप में शुरू किया गया, इसने देश में बहिष्कार आंदोलन का मार्ग प्रशस्त किया जिसके कारण भारत में उत्पादित वस्तुओं का उपयोग आरंभ हुआ।

कथन 1 सही है: स्वदेशी आंदोलन ने स्वदेशी कपड़ा मिलों, साबुन और माचिस की फैक्ट्रियों, चर्मशोधन कारखानों, बैंकों, बीमा कंपनियों, दुकानों आदि की स्थापना के माध्यम से स्वदेशी उद्योगों की वृद्धि देखी। इसने विदेशी वस्तुओं पर निर्भरता कम करके आत्मनिर्भरता की भावना

unacademy.com | Download the Unacademy app
https://t.me/OTT_IAS (Type this name exactly to get free PCB12),
Give your feedback here: Link

पैदा की। ये उद्यम व्यावसायिक कौशल की तुलना में देशभक्ति के उत्साह पर अधिक आधारित थे।

कथन 2 सही है: आंदोलन के प्रभाव के रूप में, राष्ट्रीय शिक्षा की स्थापना की मांग अपने चरम पर पहुंच गई जिसके परिणामस्वरूप विभिन्न राष्ट्रीय स्कूलों और कॉलेजों की स्थापना हुई। स्थानीय भाषा के माध्यम से शिक्षा प्रदान करने के लिए, राष्ट्रीय स्तर पर और राष्ट्रीय नियंत्रण के तहत शिक्षा की एक प्रणाली-साहित्यिक, वैज्ञानिक और तकनीकी- को व्यवस्थित करने के लिए 15 अगस्त, 1906 को राष्ट्रीय शिक्षा परिषद की भी स्थापना की गई थी।

7. **उत्तर:** (c)

विकल्प (c) सही है: 1917 का चंपारण सत्याग्रह भारत का पहला सविनय अवज्ञा आंदोलन था जिसने रोटी और जमीन के लिए भारतीय किसानों के महान संघर्ष में शामिल होकर राष्ट्रीय आंदोलन में एक नया चरण खोला। गांधी ने भारत के पहले सत्याग्रह के रूप में नील श्रमिकों के संघर्ष का नेतृत्व किया जिसने राष्ट्रीय आंदोलन में किसान अशांति की भागीदारी की गति निर्धारित की।

मोंटेग्यू-चेम्सफोर्ड सुधारों ने भारतीय सरकार अधिनियम, 1919 के साथ प्रांतों में द्वैध शासन की शुरुआत की। नरमपंथियों ने इन सुधारों का स्वागत किया, जबकि चरमपंथियों ने उन्हें अस्वीकार कर दिया। 1919 में राजनीतिक हिंसा को दबाने के लिए रॉलेट एक्ट भी पारित किया गया था। इस मोड़ पर भारत के स्वतंत्रता आंदोलन के राजनीतिक क्षेत्र में एक नया चेहरा दिखाई दिया। गांधी जी ने ही कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व में पैदा हुए खालीपन को भरा। गांधीजी ने दक्षिण अफ्रीका में भारतीयों के साथ होने वाले भेदभाव के खिलाफ आंदोलन का नेतृत्व किया था। उन्होंने सत्याग्रह (सत्य बल, या प्रेम बल, या आत्मा बल) नामक राजनीतिक हथियार का इस्तेमाल किया था। भारत में उनकी पहली विजय चंपारण सत्याग्रह थी।

8. **उत्तर:** (a)

विकल्प (a) सही है: वर्ष 1919 में दो मुख्य राजनीतिक निकायों के साथ शुरू हुआ, अर्थात, ऑल इंडिया होम रूल लीग, जिसकी स्थापना 1916 में मुख्य रूप से श्रीमती बेसेंट द्वारा की गई थी और तिलक की इंडियन होम रूल लीग 1917 में शुरू हुई थी। होम रूल लीग ने आयरिश मॉडल पर आधारित स्वशासन की मांग की। तिलक की लीग दक्कन में अपने गढ़ के साथ काम कर रही थी। दूसरी ओर, श्रीमती बेसेंट कुछ समय के लिए हर जगह अपना स्थान खो रही थीं। अखिल भारतीय होम रूल लीग जिसे अक्टूबर 1920 में भारत के लोगों की इच्छा के अनुसार भारत के लिए पूर्ण स्वराज हासिल करने के घोषित उद्देश्य के साथ "स्वराज्य सभा" का नाम दिया गया था।

9. **उत्तर:** (b)

विकल्प (b) सही है: 1935 के भारत सरकार अधिनियम ने एक अखिल भारतीय संघ की स्थापना के लिए प्रावधान किया जिसमें प्रांतों और रियासतों को इकाइयों के रूप में शामिल किया गया था। अधिनियम ने तीन सूचियों, संघीय सूची (केंद्र के लिए, 59 विषयों के साथ), प्रांतीय सूची (प्रांतों के लिए, 54 विषयों के साथ) और समवर्ती सूची (दोनों के लिए, 36 विषयों के साथ) के संदर्भ में केंद्र और इकाइयों के बीच शक्तियों को विभाजित किया। इसमें गवर्नर जनरल को अवशिष्ट शक्तियाँ प्रदान की गईं।

1935 के भारत सरकार अधिनियम ने प्रांतों में द्वैध शासन को समाप्त कर दिया और इसके स्थान पर 'प्रांतीय स्वायत्तता' की शुरुआत की और ग्यारह में से छह प्रांतों में द्विसदनीयता की शुरुआत की। इस प्रकार, बंगाल, बॉम्बे, मद्रास, बिहार, असम और संयुक्त प्रांत की विधानसभाओं को एक विधान परिषद (उच्च सदन) और एक विधान सभा (निचला सदन) से मिलकर द्विसदनीय बनाया गया, और दलित वर्गों (अनुसूचित जातियों), महिलाओं और श्रमिकों (श्रमिकों) के लिए, अलग निर्वाचक मंडल प्रदान करके सांप्रदायिक प्रतिनिधित्व के सिद्धांत को आगे बढ़ाया। इसने 1858 के भारत सरकार अधिनियम द्वारा स्थापित भारत परिषद को समाप्त कर दिया। भारत के राज्य सचिव को सलाहकारों की एक टीम प्रदान की गई थी। इसने देश की मुद्रा और क्रेडिट को नियंत्रित करने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक की स्थापना के लिए प्रावधान किया और न केवल एक संघीय लोक सेवा आयोग की स्थापना के लिए बल्कि एक संघीय लोक सेवा आयोग (Federal Public Service Commission) और दो या दो से अधिक प्रांतों के लिए संयुक्त लोक सेवा आयोग की स्थापना के लिए भी प्रावधान किया।

10. **उत्तर:** (d)

विकल्प (d) सही है: व्यापार विवाद अधिनियम 1929 अधिनियम का मुख्य उद्देश्य व्यापार विवादों की जांच और निपटान की दृष्टि से कोर्ट ऑफ इंक्वायरी और बोर्ड ऑफ सुलह (ट्रिब्यूनल की प्रणाली) की स्थापना के लिए प्रावधान करना था। अधिनियम ने सार्वजनिक उपयोगिता सेवाओं में बिना किसी सूचना के हड़ताल या तालाबंदी पर रोक लगा दी।

इसने किसी भी हड़ताल या तालाबंदी को भी अवैध बना दिया, जिसका व्यापार या उद्योग के भीतर व्यापार विवाद की वकालत करने के अलावा कोई अन्य उद्देश्य था। वर्ष 1947 (भारत की स्वतंत्रता) से पहले, व्यापार विवाद अधिनियम, 1929 औद्योगिक विवादों का निपटारा करता था।

11. **उत्तर:** (d)

द्वैध शासन ब्रिटिश भारत के प्रांतों के लिए भारत सरकार अधिनियम (1919) द्वारा शुरू की गई दोहरी सरकार की एक प्रणाली थी। इसने भारत के ब्रिटिश प्रशासन की कार्यकारी शाखा में लोकतांत्रिक सिद्धांत की पहली शुरूआत को चिह्नित किया। हालांकि इसकी बहुत आलोचना

unacademy.com | Download the Unacademy app
https://t.me/OTT_IAS (Type this name exactly to get free PCB12),
Give your feedback here: Link

हुई, लेकिन इसने ब्रिटिश भारत सरकार में एक सफलता का संकेत दिया और यह भारत की पूर्ण प्रांतीय स्वायत्तता (1935) और स्वतंत्रता (1947) का अग्रदूत था। द्वैध शासन को एडविन सैमुअल मोंटेगु (भारत के राज्य सचिव, 1917–22) और लॉर्ड चेम्सफोर्ड (भारत के वायसराय, 1916–21) द्वारा संवैधानिक सुधार के रूप में आरंभ किया गया था।

विकल्प (d) सही है: द्वैध शासन का सिद्धांत, प्रत्येक प्रांतीय सरकार की कार्यकारी शाखा का सत्तावादी और लोकप्रिय रूप से जिम्मेदार वर्गों में विभाजन था। पहला कार्यकारी पार्षदों से बना था, जिन्हें पहले की तरह ताज द्वारा नियुक्त किया गया था। दूसरा मंत्रियों से बना था जिन्हें राज्यपाल द्वारा प्रांतीय विधायिका के निर्वाचित सदस्यों में से चुना गया था। विभिन्न क्षेत्रों, या प्रशासन के विषयों को क्रमशः आरक्षित और स्थानांतरित विषयों के नाम पर पार्षदों और मंत्रियों के बीच विभाजित किया गया था। आरक्षित विषय कानून और व्यवस्था के अंतर्गत आते थे और इसमें न्याय, पुलिस, भू-राजस्व और सिंचाई शामिल थे। हस्तांतरित विषयों (यानी, भारतीय मंत्रियों के नियंत्रण में) में स्थानीय स्वशासन, शिक्षा, सार्वजनिक स्वास्थ्य, सार्वजनिक कार्य, और कृषि, वन और मत्स्य पालन शामिल थे। 1935 में प्रांतीय स्वायत्तता की शुरुआत के साथ यह प्रणाली समाप्त हो गई।

12. उत्तर: (d)

विकल्प (d) सही है: हरकोर्ट बटलर समिति या बटलर आयोग, मूल राज्यों और सर्वोपरि शक्ति के बीच संबंधों की जांच के लिए 16 दिसंबर, 1927 को नियुक्त हरकोर्ट बटलर की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय समिति थी। समिति का गठन भारतीय राज्यों और सर्वोच्च शक्ति के बीच संबंधों की जांच करने और उनके और ब्रिटिश भारत के बीच मौजूदा संबंधों के अधिक संतोषजनक समायोजन के तरीके और साधन सुझाने के लिए किया गया था। समिति ने 16 राज्यों का दौरा किया और 1929 में अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की।

13. उत्तर: (d)

जुलाई 1917 में मोंटेग्यू ने भारत के सेक्रेटरी ऑफ स्टेट के रूप में पदभार ग्रहण किया। उसके बाद, उन्होंने एक ऐतिहासिक घोषणा की कि भारत में ब्रिटिश नीति का एक समग्र उद्देश्य होगा " भारत में ब्रिटिश साम्राज्य के एक अभिन्न अंग के रूप में उत्तरदायी सरकार की प्रगतिशील प्राप्ति की दृष्टि से स्वशासी संस्थानों का क्रमिक विकास करना।"

विकल्प (d) सही है: मोंटफोर्ड (मॉन्टेग्यू-चेम्सफोर्ड) प्रस्ताव संवैधानिक सुधारों से संबंधित थे। मोंटफोर्ड (मॉन्टेग्यू-चेम्सफोर्ड) आयोग ने 1918 में अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की। इसने भारत में स्वशासन के लिए एक रास्ता देने का दावा किया। हालाँकि, इसका उद्देश्य प्रथम विश्व युद्ध (1914-18) के दौरान भारतीयों को अंग्रेजों का समर्थन करने के लिए राजी करना भी था। यह सुधार इस तरह से महत्वपूर्ण था कि यह पहली बार की सरकार थी जिसने भारत में जिम्मेदार सरकार की क्रमिक शुरुआत के अपने इरादे को दिखाया।

इसने भारत में संसदीय लोकतंत्र की स्थापना की और उपनिवेशवाद से मुक्ति की प्रक्रिया शुरू की। 1919 के भारत सरकार अधिनियम के प्रावधानों में प्रमुख प्रांतों के लिए सरकार के दोहरे रूप के रूप में प्रांतीय द्वैध शासन शामिल था। इसने 'केंद्रीय विषयों' और 'प्रांतीय विषयों' के रूप में विषयों का सीमांकन करके प्रांतों पर नियंत्रण में ढील दी।

14. उत्तर: (b)

20 अगस्त, 1917 को ब्रिटिश सरकार ने पहली बार घोषणा की कि इसका उद्देश्य भारत में जिम्मेदार सरकार की क्रमिक शुरूआत करना है। 1919 का भारत सरकार अधिनियम अधिनियमित किया गया था, जो 1921 में लागू हुआ। इस अधिनियम को मोंटेग्यू-चेम्सफोर्ड सुधार के रूप में भी जाना जाता है (मोंटेगु भारत के सेक्रेटरी ऑफ स्टेट थे और लॉर्ड चेम्सफोर्ड भारत के वायसराय थे)।

विकल्प (b) सही है: भारत सरकार अधिनियम 1919 ने स्पष्ट रूप से केंद्र और प्रांतीय सरकारों के अधिकार क्षेत्र को निम्नलिखित तरीकों से परिभाषित किया है:

- इसने केंद्रीय और प्रांतीय विषयों को अलग-अलग करके प्रांतों पर केंद्रीय नियंत्रण में ढील दी। केंद्रीय और प्रांतीय विधायिकाओं को उनके संबंधित विषयों की सूची पर कानून बनाने के लिए अधिकृत किया गया था। हालाँकि, सरकार की संरचना केंद्रीकृत और एकात्मक बनी रही।
- इसने प्रांतीय विषयों को दो भागों में विभाजित किया- हस्तांतरित और आरक्षित। हस्तांतरित विषयों को राज्यपाल द्वारा विधान परिषद के लिए जिम्मेदार मंत्रियों की सहायता से प्रशासित किया जाना था। दूसरी ओर, आरक्षित विषयों को विधान परिषद के प्रति उत्तरदायी हुए बिना राज्यपाल और उनकी कार्यकारी परिषद द्वारा प्रशासित किया जाना था। शासन की इस दोहरी योजना को 'द्वैध शासन' के रूप में जाना जाता था - जिसका अर्थ है सरकार की दोहरी प्रणाली।
- इसने देश में द्विसदनीयता और प्रत्यक्ष चुनाव की शुरुआत की। इस प्रकार, भारतीय विधान परिषद को एक द्विसदनीय विधायिका द्वारा प्रतिस्थापित किया गया जिसमें एक उच्च सदन (राज्य परिषद) और एक निचला सदन (विधान सभा) शामिल था। दोनों सदनों के अधिकांश सदस्यों का चुनाव प्रत्यक्ष चुनाव द्वारा किया गया था।
- इसने पहली बार प्रांतीय बजटों को केंद्रीय बजट से अलग किया और प्रांतीय विधानसभाओं को अपने बजट अधिनियमित करने के लिए अधिकृत किया।

15. उत्तर: (b)

12 मार्च, 1930 को, महात्मा गांधी ने गुजरात के अहमदाबाद में साबरमती आश्रम से राज्य के तटीय क्षेत्र के दांडी गांव तक नमक

unacademy.com | Download the Unacademy app
https://t.me/OTT_IAS (Type this name exactly to get free PCB12),
Give your feedback here: Link

पर अंग्रेजों द्वारा लगाए गए भारी कर का विरोध करने के लिए एक ऐतिहासिक नमक मार्च शुरू किया। नमक मार्च 12 मार्च 1930 को शुरू हुआ और 6 अप्रैल 1930 तक जारी रहा। दांडी में समुद्र के किनारे पहुंचने पर, महात्मा गांधी ने अवैध नमक का उत्पादन करके कानून तोड़ा।

विकल्प (b) सही है: सी राजगोपालाचारी (भारत के अंतिम गवर्नर-जनरल जिन्होंने स्वतंत्रता संग्राम के दौरान भारत की सेवा की थी) ने अप्रैल 1930 में नमक कानून तोड़ने के लिए तंजौर तट पर एक मार्च का आयोजन किया। उन्हें अप्रैल 1930 में नेतृत्व करने के लिए गिरफ्तार किया गया था। तंजौर तट पर त्रिचिनोपोली से वेदारण्यम तक नमक मार्च निकाला था।

16. उत्तर: (b)

कथन 1 सही है: सर सिडनी रॉलेट की अध्यक्षता में राजद्रोह समिति की सिफारिशों पर रॉलेट एक्ट पारित किया गया था।

- भारतीय सदस्यों के एकजुट विरोध के बावजूद इस अधिनियम को शाही विधान परिषद में जल्दबाजी में पारित किया गया था। इस समिति का उद्देश्य भारत, विशेषकर बंगाल और पंजाब में राजनीतिक आतंकवाद का मूल्यांकन करना था। इसने सरकार को राजनीतिक गतिविधियों को दबाने के लिए भारी शक्तियाँ दीं और दो साल तक बिना मुकदमे के राजनीतिक कैदियों को हिरासत में रखने की अनुमति दी।
- अपने सत्याग्रह के आयोजन में, गांधी ने तीन प्रकार के राजनीतिक नेटवर्क का उपयोग करने की कोशिश की - होम रूल लीग, कुछ अखिल-इस्लामी समूह और एक सत्याग्रह सभा जिसे उन्होंने स्वयं 24 फरवरी को बॉम्बे में शुरू किया था। **(कथन 2 सही है)**
- रॉलेट सत्याग्रह 1919 में हुआ जबकि साइमन कमीशन 1928 में भारत आया। **(कथन 3 सही नहीं है)**

निरसन तकनीक: रॉलेट सत्याग्रह 1919 में हुआ था, जबकि साइमन कमीशन 1928 में भारत आया था। अतः **कथन 3** गलत है।

17. उत्तर: (d)

कांग्रेस सोशलिस्ट पार्टी, या (सीएसपी), कांग्रेस के भीतर एक वामपंथी समूह था। इसका गठन 1934 में हुआ था, आचार्य नरेंद्र देव इसके अध्यक्ष और जय प्रकाश नारायण महासचिव थे। इस पार्टी का उदय भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस में बढ़ते वाम प्रभाव के कारण हुआ था। 1935 तक, कांग्रेस के एक तिहाई सदस्य कांग्रेस समाजवादी हो गए थे।

- इन नेताओं ने गांधी के विचार को खारिज कर दिया (जिसे उन्होंने तर्क-विरोध के रूप में देखा)। हालांकि वे मजदूर और किसान आंदोलन में सक्रिय रहे, लेकिन उन्होंने भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के सांप्रदायिक रवैये को खारिज कर दिया। इसने ब्रिटिश वस्तुओं के बहिष्कार और करों की चोरी की वकालत नहीं की। **(कथन 1 सही नहीं है)**
- वे अपने लक्ष्य के रूप में राष्ट्रवाद और स्वतंत्रता के साथ पश्चिम के मार्क्सवादी विचारों, उदार और सामाजिक लोकतंत्र में विश्वास करते थे। इसने विकेन्द्रीकृत समाजवाद की वकालत की जिसमें सहकारी समितियों, ट्रेड यूनियनों, स्वतंत्र किसानों और स्थानीय अधिकारियों के पास आर्थिक शक्ति का एक बड़ा हिस्सा होगा। **(कथन 2 सही नहीं है)**
- सीएसपी कांग्रेस से अलग नहीं थी। इसके संविधान ने परिभाषित किया कि सभी सदस्यों को भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का सदस्य होना आवश्यक है। सांप्रदायिक संगठनों या राजनीतिक संगठनों के सदस्य, जिनके लक्ष्य सीएसपी के लक्ष्यों के साथ असंगत थे, उन्हें सीएसपी सदस्यता से रोक दिया गया था। धर्मनिरपेक्षतावादियों के रूप में, वे वर्ग एकजुटता के माध्यम से सांप्रदायिक विभाजन को पार करने की आशा रखते थे। **(कथन 3 सही नहीं है)**

18. उत्तर: (b)

विकल्प (b) सही है: 1929 में कांग्रेस का अधिवेशन लाहौर में हुआ था। यह अधिवेशन बहुत महत्वपूर्ण था क्योंकि लाहौर अधिवेशन में प्रमुख पार्टी भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने पूर्ण स्वराज या पूर्ण स्वतंत्रता का संकल्प लिया था। इसमें पंडित जवाहर लाल नेहरू ने रावी नदी के तट पर भारतीय तिरंगा झंडा फहराया।

लाहौर अधिवेशन में निम्नलिखित प्रमुख निर्णय लिए गए:

- गोलमेज सम्मेलन का बहिष्कार किया जाना था।
- पूर्ण स्वराज को कांग्रेस का लक्ष्य घोषित किया गया।
- कांग्रेस कार्य समिति को करों का भुगतान न करने सहित सविनय अवज्ञा का एक कार्यक्रम शुरू करने के लिए अधिकृत किया गया था और सभी विधायिकाओं के सदस्यों को अपनी सीटों से इस्तीफा देने के लिए कहा गया था।
- 26 जनवरी, 1930 को पहला स्वतंत्रता (स्वराज्य) दिवस तय किया गया था, जिसे हर जगह मनाया जाना था।
- नेहरू रिपोर्ट को शून्य और अकृत घोषित किया गया था।

19. उत्तर: (c)

भारत सरकार अधिनियम, 1919 में प्रावधान था कि शासन योजना की प्रगति का अध्ययन करने और नए कदमों का सुझाव देने के लिए एक आयोग की नियुक्ति तिथि से दस वर्ष बाद की जाएगी। 8 नवंबर 1927 को एक श्वेत, सात सदस्यीय भारतीय सांविधिक आयोग, जिसे साइमन कमीशन (इसके अध्यक्ष सर जॉन साइमन के नाम पर) के नाम से जाना जाता है।

विकल्प (c) सही है: आयोग को ब्रिटिश सरकार से सिफारिश करनी

unacademy.com | Download the Unacademy app
https://t.me/OTT_IAS (Type this name exactly to get free PCB12),
Give your feedback here: Link

थी कि क्या भारत आगे के संवैधानिक सुधारों के लिए तैयार है और है तो किस आधार पर। साइमन कमीशन के प्रति भारत की प्रतिक्रिया तत्काल और लगभग एकमत थी। जिस बात ने भारतीयों को सबसे ज्यादा नाराज किया, वह थी आयोग से भारतीयों का बहिष्कार और बहिष्कार के पीछे की मूल धारणा जिसके बारे में विदेशियों ने चर्चा की और स्व-शासन के लिए भारत की योग्यता पर फैसला किया।

निरसन तकनीक

इस प्रश्न में विकल्पों को हटाना आसान नहीं है क्योंकि विकल्प बहुत निकट और विश्लेषणात्मक हैं। फिर भी, विकल्पों को हटाया जा सकता है यदि किसी के पास 1919 के भारत सरकार अधिनियम की धारणा है।

- जैसा कि हम जानते हैं, 1919 के भारत सरकार अधिनियम में यह निर्णय लिया गया था कि अधिनियम के कामकाज का आकलन करने के लिए हर 10 वर्ष में एक आयोग का गठन किया जाएगा। और, इसके लिए साइमन कमीशन बनाया गया था।

20. उत्तर: (c)

20 अगस्त, 1917 को, ब्रिटिश सरकार ने पहली बार घोषणा की कि इसका उद्देश्य भारत में एक उत्तरदायी सरकार का क्रमिक परिचय था। 1919 का भारत सरकार अधिनियम इस प्रकार अधिनियमित किया गया, जो 1921 में लागू हुआ। इस अधिनियम को मोंटेग्यू-चेम्सफोर्ड सुधार के रूप में भी जाना जाता है (मोंटेग्यू भारत के राज्य सचिव थे और लॉर्ड चेम्सफोर्ड भारत के वायसराय थे)।

कथन 1 सही है: भारत सरकार अधिनियम 1919 ने प्रांतीय विषयों को दो भागों में विभाजित किया- हस्तांतरित और आरक्षित। हस्तांतरित विषयों को राज्यपाल द्वारा विधान परिषद के लिए जिम्मेदार मंत्रियों की सहायता से प्रशासित किया गया था। दूसरी ओर, आरक्षित विषयों को विधान परिषद के प्रति उत्तरदायी हुए बिना राज्यपाल और उनकी कार्यकारी परिषद द्वारा प्रशासित किया गया था। शासन की इस दोहरी योजना को 'द्वैध शासन'- दोहरे नियम के रूप में जाना जाता था।

कथन 2 सही नहीं है: इसने सिखों, भारतीय ईसाइयों, अंग्लो-भारतीयों (एंग्लो-इंडियन) और यूरोपीय लोगों के लिए अलग निर्वाचक मंडल प्रदान करके सांप्रदायिक प्रतिनिधित्व के सिद्धांत का विस्तार किया। 1909 में पहली बार मुसलमानों के लिए अलग निर्वाचन क्षेत्र की शुरुआत की गई थी।

कथन 3 सही है: इसने केंद्रीय और प्रांतीय विषयों को सीमांकित और अलग करके प्रांतों पर केंद्रीय नियंत्रण में ढील दी। केंद्रीय और प्रांतीय विधायिकाओं को उनके संबंधित विषयों की सूची पर कानून बनाने के लिए अधिकृत किया गया था। हालाँकि, सरकार की संरचना केंद्रीकृत और एकात्मक बनी रही।

भारत सरकार अधिनियम 1919 की अन्य विशेषताएं:

- इसने देश में पहली बार द्विसदनीय और प्रत्यक्ष चुनाव की शुरुआत की। इस प्रकार, भारतीय विधान परिषद को एक द्विसदनीय विधायिका द्वारा प्रतिस्थापित किया गया, जिसमें एक उच्च सदन (राज्य परिषद) और एक निचला सदन (विधान सभा) शामिल था। दोनों सदनों के अधिकांश सदस्यों का चुनाव प्रत्यक्ष चुनाव द्वारा किया गया था।
- यह आवश्यक था कि वायसराय की कार्यकारी परिषद (कमांडर-इन-चीफ के अलावा) के छह सदस्यों में से तीन भारतीय हों।
- इसने सिखों, भारतीय ईसाइयों, अंग्लो-भारतीयों (एंग्लो-इंडियन) और यूरोपीय लोगों के लिए अलग निर्वाचक मंडल प्रदान करके सांप्रदायिक प्रतिनिधित्व के सिद्धांत का विस्तार किया।
- इसने संपत्ति, कर या शिक्षा के आधार पर सीमित संख्या में लोगों को मताधिकार प्रदान किया।
- इसने लंदन में भारत के लिए उच्चायुक्त का एक नया कार्यालय बनाया और भारत के राज्य सचिव द्वारा अब तक किए गए कुछ कार्यों को उन्हें स्थानांतरित कर दिया।
- इसमें लोक सेवा आयोग की स्थापना का प्रावधान था। इसलिए, सिविल सेवकों की भर्ती के लिए 1926 में एक केंद्रीय लोक सेवा आयोग की स्थापना की गई थी।
- इसने पहली बार प्रांतीय बजटों को केंद्रीय बजट से अलग किया और प्रांतीय विधानसभाओं को अपने बजट अधिनियमित करने के लिए अधिकृत किया।
- इसने एक वैधानिक आयोग की नियुक्ति का प्रावधान किया, जो इसके लागू होने के दस वर्षों के बाद इसके कामकाज की जांच और रिपोर्ट करेगा।

निरसन तकनीक

- इस प्रश्न में, कथन 1 और कथन 3 निकटता से संबंधित हैं। लेकिन कथन 3 थोड़ा भ्रमित करने वाला है। अगर हम याद कर सकें तो हम पाएंगे कि मुसलमानों के लिए अलग साम्प्रदायिक निर्वाचक मंडल की शुरुआत मॉर्ले-मिंटो सुधारों की सिफारिशों में से एक है। इसलिए, कथन 2 को विकल्प (b) और विकल्प (d) के साथ आसानी से हटाया जा सकता है।
- कथन 2 को समाप्त करने के बाद, हमारे पास कथन 1 और कथन 3 रह जाता है। यदि हम लाइन के बीच में ध्यान से पढ़ें, तो हमें शक्ति या अधिकार के विभाजन से संबंधित एक संकेत मिलेगा।
    - कथन 1 द्वैध शासन के बारे में बात करता है जिसका

unacademy.com | Download the Unacademy app
https://t.me/OTT_IAS (Type this name exactly to get free PCB12),
Give your feedback here: Link

अर्थ है दो स्वतंत्र प्राधिकरणों द्वारा सरकार और कथन 2 केंद्र द्वारा प्रांतों को विधायी अधिकार के हस्तांतरण के बारे में बात करता है।

- जैसा कि दोनों कथन उस संकेत के बहुत करीब हैं। हम आसानी से विकल्प (c) को सही उत्तर के रूप में चिन्हित कर सकते हैं।

21. उत्तर: (b)

लोकप्रिय रूप से ज्ञात रॉलेट एक्ट को आधिकारिक तौर पर अराजक और क्रांतिकारी अपराध अधिनियम कहा जाता था। यह भारतीय लोगों की 'देशद्रोही साजिश' की जांच के लिए ब्रिटिश जज सर सिडनी रॉलेट की अध्यक्षता वाले रॉलेट कमीशन द्वारा पिछले वर्ष इंपीरियल लेजिस्लेटिव काउंसिल को की गई सिफारिशों पर आधारित था।

विकल्प (b) सही है: रॉलेट कमेटी ने सिफारिश की थी कि कार्यकर्ताओं को दो साल तक बिना किसी मुकदमे के निर्वासित या जेल में डाल दिया जाना चाहिए, और यहां तक कि देशद्रोही समाचार पत्रों को रखना भी अपराध का पर्याप्त सबूत होगा। इस अधिनियम ने राजनीतिक कार्यकर्ताओं को बिना जूरी के मुकदमा चलाने या बिना मुकदमे के जेल भेजने की अनुमति दी। इसने केवल 'देशद्रोह' के संदेह पर बिना वारंट के भारतीयों की गिरफ्तारी की अनुमति दी। ऐसे संदिग्धों पर कानूनी मदद का सहारा लिए बिना गोपनीयता में मुकदमा चलाया जा सकता है।

इंपीरियल लेजिस्लेटिव काउंसिल के सभी निर्वाचित भारतीय सदस्यों ने बिल के खिलाफ मतदान किया, लेकिन वे अल्पमत में थे और आधिकारिक उम्मीदवारों द्वारा आसानी से खारिज कर दिया गया। मोहम्मद अली जिन्ना, मदन मोहन मालवीय और मजहर उल हक सहित सभी निर्वाचित भारतीय सदस्यों ने विरोध में इस्तीफा दे दिया।

निरसन तकनीक

रोलेट एक्ट आधुनिक भारतीय इतिहास की एक बहुत प्रसिद्ध घटना है। यह प्रश्न सीधे रोलेट एक्ट के उद्देश्य के बारे में पूछ रहा है। यदि किसी अभ्यर्थी को घटना के बारे में जानकारी नहीं है, तब भी वह आसानी से यह प्रश्न कर सकता है।

- रोलेट एक्ट जलियांवाला बाग हत्याकांड से संबंधित है। इसलिए, विकल्प (a) और विकल्प (c) को आसानी से हटाया जा सकता है।
- विकल्प (a) और विकल्प (c) को हटाने के बाद भी विकल्प (b) और विकल्प (d) को लेकर भ्रम की स्थिति बनी हुई है। लेकिन अगर हम कथनों को ध्यान से पढ़ें, तो हम पाएंगे कि जलियांवाला बाग हत्याकांड भारतीय आधुनिक इतिहास की एक विनाशकारी घटना थी, प्रेस की स्वतंत्रता पर प्रतिबंध मात्र, ऐसी घटनाओं का परिणाम नहीं हो सकता है। इसलिए, विकल्प (b) सही उत्तर है।

22. उत्तर: (a)

जवाहरलाल नेहरू, जिन्होंने पूर्ण स्वराज की अवधारणा को लोकप्रिय बनाने के लिए किसी और से अधिक किया था, को मुख्य रूप से गांधी के समर्थन के कारण कांग्रेस के लाहौर अधिवेशन (दिसंबर 1929) के लिए अध्यक्ष नामित किया गया था (18 प्रांतीय कांग्रेस समितियों में से 15 ने नेहरू का विरोध किया था)।

विकल्प (a) सही है: लाहौर अधिवेशन में निम्नलिखित प्रमुख निर्णय लिए गए:

- गोलमेज सम्मेलन का बहिष्कार किया जाना था।
- पूर्ण स्वतंत्रता को कांग्रेस का लक्ष्य घोषित किया गया।
- कांग्रेस कार्य समिति को करों का भुगतान न करने सहित सविनय अवज्ञा का एक कार्यक्रम शुरू करने के लिए अधिकृत किया गया था और विधायिकाओं के सभी सदस्यों को अपनी सीटों से इस्तीफा देने के लिए कहा गया था।
- 26 जनवरी, 1930 को पहला स्वतंत्रता (स्वराज्य) दिवस तय किया गया था, जिसे हर जगह मनाया जाना था।

1916 के कांग्रेस के लाहौर अधिवेशन में गरमपंथियों और नरमपंथियों के बीच की दरार को सुलझा लिया गया था।

निरसन तकनीक

- यह सर्वविदित है कि 1929 के लाहौर अधिवेशन में कांग्रेस ने पूर्ण स्वतंत्रता की मांग करते हुए एक प्रस्ताव पारित किया था। इसलिए, विकल्प (d) और विकल्प (b) को आसानी से हटाया जा सकता है।
- हालाँकि, **कथन 3** अस्पष्ट है। लेकिन अगर हम अतिवादी और उदारवादी नेतृत्व के दौर को याद कर सकते हैं, तो हम पाते हैं कि-
- उदारवादी नेतृत्व की अवधि (1885-1905)
- अतिवादी नेतृत्व की अवधि (1905-1920)

इसलिए, **कथन 3** या विकल्प (c) को आसानी से हटाया जा सकता है और उत्तर विकल्प (a) है।

23. उत्तर: (d)

फरवरी 1937 में प्रांतीय विधानसभाओं के चुनाव हुए। बंबई, मद्रास,

unacademy.com | Download the Unacademy app
https://t.me/OTT_IAS (Type this name exactly to get free PCB12),
Give your feedback here: Link

मध्य प्रांत, उड़ीसा, संयुक्त प्रांत, बिहार और बाद में उत्तर पश्चिमी सीमांत प्रांत (NWFP) और असम में भी कांग्रेस के मंत्रालय बने और उसने चुनाव लड़ा, जिसमें 1,161 सीटों में से 716 पर जीत हासिल की। (ग्यारह प्रांतों की विधान सभाओं में 1,585 सीटें थीं)। इसे बंगाल, असम, पंजाब, सिंध और NWFP को छोड़कर सभी प्रांतों में बहुमत मिला और बंगाल, असम और NWFP में सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी।

विकल्प (d) सही है: द्वितीय विश्व युद्ध के फैलने पर, वायसराय ने मुख्य राजनीतिक दलों से परामर्श किए बिना भारत की भागीदारी की घोषणा की। कांग्रेस ने युद्ध में सहयोग के बदले में सत्ता के तत्काल हस्तांतरण की मांग की, हालांकि ब्रिटिश सरकार ने इनकार कर दिया। परिणामस्वरूप, 22 दिसंबर, 1939 को कांग्रेस के मंत्रालयों ने सत्ता से इस्तीफा दे दिया। जिन्ना ने मुसलमानों से इस दिन को मुक्ति दिवस के रूप में मनाने के लिए कहा।

24. उत्तर: (b)

"अनटू दिस लास्ट" की मुख्य शिक्षाएँ:

- यह कि व्यक्ति की भलाई सभी की भलाई में निहित है। [विकल्प (b) सही है]
- कि एक वकील के काम का उतना ही महत्व है जितना कि नाई का, जितना कि सभी को अपने काम से अपनी आजीविका कमाने का समान अधिकार है।
- कि श्रमिक का जीवन, अर्थात् मिट्टी को जोतने वाले और हस्तशिल्पी का जीवन जीने योग्य जीवन है।

25. उत्तर: (b)

लॉर्ड बिरकेनहेड की चुनौती के उत्तर के रूप में, फरवरी 1928 में एक सर्वदलीय सम्मेलन की बैठक हुई और एक संविधान का मसौदा तैयार करने के लिए मोतीलाल नेहरू की अध्यक्षता में एक उप-समिति नियुक्त की गई। भारतीयों द्वारा देश के लिए एक संवैधानिक ढांचे का मसौदा तैयार करने का यह पहला बड़ा प्रयास था।

समिति में तेज बहादुर सप्रू, सुभाष बोस, एम.एस.अणे, मंगल सिंह, अली इमाम, शुएब कुरैशी और जी.आर. प्रधान इसके सदस्य थे। अगस्त 1928 तक इस रिपोर्ट को अंतिम रूप दिया गया।

कथन 1 सही नहीं है: जवाहरलाल नेहरू की अध्यक्षता में कांग्रेस के दिसंबर 1929 के सत्र में, कांग्रेस ने "पूर्ण स्वराज" या पूर्ण स्वतंत्रता को अपना अंतिम लक्ष्य घोषित किया।

नेहरू रिपोर्ट ने खुद को ब्रिटिश भारत तक सीमित कर दिया, क्योंकि इसमें संघीय आधार पर रियासतों के साथ ब्रिटिश भारत के भविष्य के जुड़ाव की परिकल्पना की गई थी। प्रभुत्व (dominion) के लिए, यह सिफारिश की:

- स्वशासी अधिराज्यों की तर्ज पर डोमिनियन का दर्जा भारतीयों द्वारा वांछित सरकार के रूप में।
- अलग निर्वाचक मंडलों की अस्वीकृति, इसके बजाय, केंद्र और प्रांतों में मुसलमानों के लिए सीटों के आरक्षण के साथ संयुक्त निर्वाचक मंडल की मांग, जहां वे अल्पसंख्यक थे (और वहां नहीं जहां मुसलमान बहुसंख्यक थे, जैसे पंजाब और बंगाल) वहां की मुस्लिम आबादी को अतिरिक्त सीटों पर चुनाव लड़ने का अधिकार है। **(कथन 2 सही है)**
- भाषाई प्रांत।
- उन्नीस मौलिक अधिकार जिनमें महिलाओं के लिए समान अधिकार, यूनियन बनाने का अधिकार और सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार शामिल हैं। **(कथन 3 सही है)**
- केंद्र और प्रांतों में जिम्मेदार सरकार।
- मुसलमानों के सांस्कृतिक और धार्मिक हितों की पूर्ण सुरक्षा।
- राज्य को धर्म से पूर्णतः अलग कर देना।
- हिंदी को भारत की राजभाषा बनाया जाएगा।

निरसन तकनीक: सरकार के रूप में डोमिनियन प्रभुत्व की तर्ज पर डोमिनियन स्थिति नेहरू रिपोर्ट की मांगों में से एक थी। **कथन 1** हटा दिया गया है। इस प्रकार, विकल्प (b) सही उत्तर के रूप में है।

26. उत्तर: (a)

कथन 1 सही है: 1918 में सूखे के कारण गुजरात के खेड़ा जिले में फसलें खराब हो गईं। राजस्व संहिता के अनुसार, यदि उपज सामान्य उपज के एक चौथाई से कम थी, तो किसान छूट के हकदार थे, हालांकि सरकार ने इनकार कर दिया।

कथन 2 सही नहीं है: किसानों से मिलकर बनी गुजरात सभा ने प्रांत के सर्वोच्च शासी अधिकारियों को याचिकाएँ प्रस्तुत कीं जिसमें अनुरोध किया गया कि वर्ष 1919 के राजस्व निर्धारण को निलंबित कर दिया जाए। सरकार, हालांकि, अड़ी रही और कहा कि अगर करों का भुगतान नहीं किया गया तो किसानों की संपत्ति जब्त कर ली जाएगी। गांधी ने किसानों से करों का भुगतान न करने के लिए कहा।

यह सरदार वल्लभभाई पटेल और अन्य समर्पित गांधीवादियों का एक समूह था, अर्थात् नरहरि पारिख, मोहनलाल पांड्या और रविशंकर व्यास, जिन्होंने गांवों का चक्कर लगाया और आवश्यक राजनीतिक नेतृत्व दिया।

unacademy.com | Download the Unacademy app
https://t.me/OTT_IAS (Type this name exactly to get free PCB12),
Give your feedback here: Link

23. निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए: (2024)

	दल:	उसके नेता
1.	भारतीय जन संघ:	डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी
2.	सोशलिस्ट पार्टी:	सी. राजगोपालाचारी
3.	कांग्रेस फॉर डेमोक्रेसी:	जगजीवन राम
4.	स्वतंत्र पार्टी:	आचार्य नरेंद्र देव

उपर्युक्त में से कितने युग्म सही सुमेलित हैं ?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) केवल तीन

(d) सभी चार

32. भारत सरकार अधिनियम, 1935 के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए: (2024)

1. इसमें ब्रिटिश भारतीय प्रांतों और देशी रियासतों को मिलाकर एक अखिल भारतीय परिसंघ (फेडरेशन) की स्थापना का प्रावधान किया गया।
2. रक्षा और विदेश संबंधी मामलों को परिसंघीय विधानमंडल के नियंत्रण के अधीन रखा गया।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/कौन-से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) न तो 1, न ही 2

1. भारतीय इतिहास में 8 अगस्त, 1942 के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा सही है? (2021)

(a) ए० आइ० सी० सी० द्वारा भारत छोड़ो प्रस्ताव अंगीकार किया गया।

(b) वायसराय की एक्जेक्यूटिव काउंसिल का विस्तार अधिक संख्या में भारतीयों को सम्मिलित करने के लिए किया गया।

(c) सात प्रांतों में कांग्रेस मंत्रिमंडलों ने त्यागपत्र दिया।

(d) क्रिप्स ने प्रस्ताव रखा कि द्वितीय विश्व युद्ध समाप्त होते ही संपूर्ण डोमिनियन स्टेटस वाले भारतीय संघ की स्थापना की जाएगी।

2. औपनिवेशिक भारत के संदर्भ में, शाह नवाज खान, प्रेम कुमार सहगल और गुरबख्श सिंह ढिल्लों याद किए जाते हैं (2021)

(a) स्वदेशी और बहिष्कार आंदोलन के नेता के रूप में

(b) 1946 की अंतरिम सरकार के सदस्यों के रूप में

(c) संविधान सभा में प्रारूप समिति के सदस्यों के रूप में

(d) आजाद हिंद फौज (इंडियन नैशनल आर्मी) के अधिकारियों के रूप में

3. निम्नलिखित में से कौन 1948 में स्थापित "हिंद मजदूर सभा" के संस्थापक थे? (2018)

(a) बी कृष्णा पिल्लई, ई.एम.एस. नंबूदरीपाद और के.सी. जॉर्ज

(b) जयप्रकाश नारायण, दीन दयाल उपाध्याय और एम.एन. रॉय

(c) सी.पी. रामास्वामी अय्यर, के. कामराज और वीरसलिंगम पंटुलु

(d) अशोक मेहता, टी.एस. रामानुजम और जी.जी. मेहता

4. भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के संदर्भ में, निम्नलिखित घटनाओं पर विचार कीजिए: (2017)

1. रॉयल इंडियन नेवी में विद्रोह
2. भारत छोड़ो आंदोलन कि शुरूआत
3. दूसरा गोलमेज सम्मेलन

उपरोक्त घटनाओं का सही कालानुक्रम क्या है?

(a) 1-2-3

(b) 2-1-3

(c) 3-2-1

(d) 3-1-2

5. सर स्टैफोर्ड क्रिप्स की योजना में यह परिकल्पना की गई थी कि द्वितीय विश्व युद्ध के बाद (2016)

unacademy.com | Download the Unacademy app
https://t.me/OTT_IAS (Type this name exactly to get free PCB12),
Give your feedback here: Link

(a) भारत को पूर्ण स्वतंत्रता दी जानी चाहिए

(b) स्वतंत्रता प्रदान करने से पहले भारत को दो भागों में विभाजित किया जाना चाहिए

(c) भारत को इस शर्त के साथ एक गणतंत्र बनाना चाहिए कि वह राष्ट्रमंडल में शामिल हो जाए

(d) भारत को डोमिनियन का दर्जा दिया जाना चाहिए

6. कैबिनेट मिशन के संदर्भ में, निम्नलिखित में से कौन सा/से कथन सही है/हैं? (2015)

1. इसने एक संघीय सरकार की सिफारिश की।
2. इसने भारतीय न्यायालयों की शक्तियों का विस्तार किया।
3. इसने ICS में अधिक भारतीयों को प्रदान किया।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए:

(a) केवल 1

(b) 2 और 3

(c) 1 और 3

(d) कोई नहीं

7. बंगाल में तेभागा किसान आंदोलन की मांग थी- (2013)

(a) जमींदारों के हिस्से को फसल के आधे से घटाकर एक तिहाई करना

(b) किसानों को भूमि का स्वामित्व प्रदान करना क्योंकि वे भूमि के वास्तविक किसान थे

(c) जमींदारी प्रथा को जड़ से उखाड़ना और दास प्रथा का अंत

(d) सभी किसान ऋणों को लिखना

8. भारत छोड़ो आंदोलन किसकी प्रतिक्रिया में शुरू किया गया था? (2013)

(a) कैबिनेट मिशन योजना

(b) क्रिप्स प्रस्ताव

(c) साइमन कमीशन की रिपोर्ट

(d) वेवेल योजना

9. भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के संदर्भ में उषा मेहता की ख्याति (2011)

(a) भारत छोड़ो आंदोलन की वेला में गुप्त कांग्रेस रेडियो चलाने हेतु है

(b) द्वितीय गोल मेज सम्मेलन में सहभागिता हेतु है

(c) आजाद हिंद फौज की एक टुकड़ी का नेतृत्व करने हेतु है

(d) पंडित जवाहरलाल नेहरू की अंतरिम सरकार के गठन में सहायक भूमिका निभाने हेतु है।

10. 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन के संबंध में निम्नलिखित में से कौन-सी एक टिप्पणी सत्य नहीं है? (2011)

(a) यह आंदोलन अहिंसक था

(b) उसका नेतृत्व महात्मा गांधी ने किया था

(c) यह आंदोलन स्वतः प्रवर्तित था

(d) इसने सामान्य श्रमिक वर्ग को आकर्षित नहीं किया था

unacademy.com | Download the Unacademy app
https://t.me/OTT_IAS (Type this name exactly to get free PCB12),
Give your feedback here: Link

7 The National Movement in the 1940s-Explanation

1. **उत्तर: (b)**

युग्म 1 सही है: डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने 1951 में भारतीय जनसंघ की स्थापना की।

युग्म 2 सही नहीं है: सी. राजगोपालाचारी सोशलिस्ट पार्टी से नहीं जुड़े थे; वे भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस में एक अग्रणी व्यक्ति थे और बाद में उन्होंने स्वतंत्र पार्टी की स्थापना की। सोशलिस्ट पार्टी में राम मनोहर लोहिया और जयप्रकाश नारायण जैसे नेता थे।

युग्म 3 सही है: जगजीवन राम ने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस से अलग होने के बाद 1977 में कांग्रेस फॉर डेमोक्रेसी की स्थापना की।

युग्म 4 सही नहीं है: आचार्य नरेंद्र देव सोशलिस्ट पार्टी में एक प्रमुख नेता थे, स्वतंत्र पार्टी में नहीं। **स्वतंत्र पार्टी का नेतृत्व सी. राजगोपालाचारी और एन.जी. रंगा ने किया था।**

2. **उत्तर: (a)**

कथन 1 सही है: भारत सरकार अधिनियम, 1935 ने ब्रिटिश भारतीय प्रांतों और रियासतों के संघ के आधार पर एक अखिल भारतीय संघ की स्थापना का प्रावधान किया। हालाँकि, यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि आवश्यक संख्या में रियासतों की भागीदारी की कमी के कारण संघ वास्तव में कभी नहीं बना था।

कथन 2 सही नहीं है: भारत सरकार अधिनियम, 1935 में, रक्षा और विदेशी मामले «आरक्षित विषयों» में से थे जो ब्रिटिश सरकार या संघीय कार्यपालिका के नियंत्रण में रहे, न कि संघीय विधायिका के नियंत्रण में। इन विषयों को गवर्नर-जनरल द्वारा नियंत्रित किया जाना था, जो ब्रिटिश क्राउन की ओर से कार्य करता था।

3. **उत्तर: (a)**

विकल्प (a) सही है: जुलाई 1942 में, कांग्रेस कार्य समिति ने वर्धा में बैठक की और संकल्प लिया कि वह गांधी को अहिंसक जन आंदोलन की कमान संभालने के लिए अधिकृत करेगी। संकल्प को आम तौर पर 'भारत छोड़ो' संकल्प के रूप में जाना जाता है। अगस्त में बॉम्बे में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की बैठक में इसे मंजूरी दी जानी थी। **8 अगस्त, 1942 को, 8 अगस्त, 1942 को बॉम्बे के गोवालिया टैंक में कांग्रेस की बैठक में भारत छोड़ो प्रस्ताव को अपनाया गया और इसकी पुष्टि की गई।** महात्मा गांधी को संघर्ष के नेता का नाम दिया गया था। आंदोलन ने भारत में ब्रिटिश शासन को समाप्त करने की मांग की। चूंकि विरोध अगस्त में आयोजित किया गया था, इसलिए इसे अगस्त क्रांति या अगस्त आंदोलन के रूप में भी जाना जाने लगा।

4. **उत्तर: (d)**

विकल्प (d) सही है: द्वितीय विश्व युद्ध के बाद, अंग्रेजों ने लगभग 23,000 भारतीय राष्ट्रीय सेना के सैनिकों को पकड़ लिया और उन पर राजद्रोह का आरोप लगाया। लाल किला भारतीय राष्ट्रीय सेना (INA) के सैनिकों के परीक्षण का स्थल बन गया। इन परीक्षणों को लोकप्रिय रूप से "लाल किला परीक्षण" कहा जाता है। नवंबर 1945 में, पहले तीन **वरिष्ठ INA अधिकारियों, शाह नवाज खान, प्रेम कुमार सहगल और गुरबख्श सिंह** ढिल्लों पर मुकदमा चलाया गया। यह दावा किया गया था कि वे जापानियों का पक्ष लेकर और युद्ध में अंग्रेजों के खिलाफ लड़कर ब्रिटिश ताज के खिलाफ गए थे।

5. **उत्तर: (d)**

विकल्प (d) सही है: हिंद मजदूर सभा (HMS) की स्थापना पश्चिम बंगाल के हावड़ा में 29 दिसंबर, 1948 को समाजवादियों, फॉरवर्ड ब्लॉक समर्थकों और स्वतंत्र संघवादियों द्वारा की गई थी। इसकी स्थापना अशोक मेहता, टी.एस. रामानुजम, जी.जी. मेहता व अन्य सदस्यों ने की थी। आर.एस. रुइकर को अध्यक्ष और अशोक मेहता को महासचिव चुना गया।

6. **उत्तर: (c)**

विकल्प (c) सही है: दूसरा गोलमेज सम्मेलन दिसंबर 1931 में लंदन में आयोजित किया गया था। कांग्रेस दिल्ली समझौते के तहत दूसरे गोलमेज सम्मेलन में भाग लेने के लिए सहमत हो गई थी, और इसलिए महात्मा गांधी ने लंदन में दूसरे गोलमेज सम्मेलन में भाग लिया। इस सम्मेलन का उद्देश्य भारत के संवैधानिक सुधारों पर चर्चा करना था। हालांकि, यह संवैधानिक रूप से या सांप्रदायिक प्रतिनिधित्व पर एक समझौते पर पहुंचने में विफल रहा। अल्पसंख्यकों के सवाल पर सत्र ठप हो गया। सभी अल्पसंख्यक "अल्पसंख्यकों के समझौते" में एक साथ आए। 8 अगस्त 1942 को, महात्मा गांधी ने ब्रिटिश शासन को समाप्त करने का आह्वान किया और मुंबई में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सत्र में भारत छोड़ो आंदोलन शुरू किया। आंदोलन का तात्कालिक कारण क्रिप्स मिशन कि विफलता थी। गांधीजी ने गोवालिया टैंक मैदान में अपने भाषण में "करो या मरो" का आह्वान किया, जिसे अब अगस्त क्रांति मैदान के नाम से जाना जाता है। 'भारत छोड़ो' का नारा एक समाजवादी और ट्रेड यूनियनवादी यूसुफ मेहरली द्वारा गढ़ा गया था, जिन्होंने मुंबई के मेयर के रूप में भी काम किया था।

द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान जूनियर कमीशंड अधिकारियों (जेसीओ) और गैर-कमीशन अधिकारियों (एनसीओ) को कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ा था, और जब युद्ध समाप्त हो रहा था, तो उनकी नौकरियों के बारे में कोई निश्चितता नहीं रह गई थी, इसलिए उन्होंने इसके खिलाफ विद्रोह कर दिया। द रॉयल इंडियन नेवी (RIN) विद्रोह, 18 फरवरी, 1946 को हुआ।

unacademy.com | Download the Unacademy app
https://t.me/OTT_IAS (Type this name exactly to get free PCB12),
Give your feedback here: Link

7. **उत्तर: (d)**

विकल्प (d) सही है: मार्च 1942 में, स्टैफोर्ड क्रिप्स की अध्यक्षता में एक मिशन द्वितीय विश्व युद्ध के लिए भारतीय समर्थन लेने के लिए संवैधानिक प्रस्तावों के साथ भारत भेजा गया था। बदले में, उसने युद्ध समाप्त होने के बाद चुनावों को सक्षम करने और डोमिनियन का दर्जा देने का प्रस्ताव रखा। सर स्टैफोर्ड क्रिप्स प्रधान मंत्री विंस्टन चर्चिल के युद्ध कैबिनेट में एक वरिष्ठ वामपंथी राजनेता और सरकार के मंत्री थे। लेकिन क्रिप्स मिशन पूरी तरह विफल रहा क्योंकि भारतीय इसके लिए सहमत नहीं थे।

8. **उत्तर: (a)**

फरवरी 1946 में, ब्रिटिश प्रधान मंत्री क्लेमेंट रिचर्ड एटली ने तीन ब्रिटिश कैबिनेट सदस्यों (पेथिक लॉरेंस, भारत के लिए सेक्रेटरी ऑफ स्टेट; स्टैफोर्ड क्रिप्स, व्यापार बोर्ड के अध्यक्ष; और एवी अलेक्जेंडर, फर्स्ट लॉर्ड ऑफ एडमिरल्टी) का एक उच्च-स्तरीय मिशन भेजने का फैसला किया। इसका उद्देश्य भारत को बातचीत के माध्यम से भारत को सत्ता के शांतिपूर्ण हस्तांतरण के तरीके और साधन खोजने में मदद करना था। इस उच्चस्तरीय मिशन को कैबिनेट मिशन के नाम से जाना जाता है। पेथिक लॉरेंस इस मिशन के अध्यक्ष थे।

- कैबिनेट मिशन योजना ने प्रांतीय स्वायत्तता के साथ एक कमजोर केंद्र का प्रस्ताव रखा, अनिवार्य रूप से सरकार के एक संघीय ढांचे का प्रस्ताव किया। 1946 की कैबिनेट मिशन योजना ने यह भी प्रस्तावित किया कि भारत का एक संघ होगा जिसे रक्षा, विदेशी मामलों और संचार से जुड़े मामलों को देखन के लिए सशक्त किया जाना था। **[विकल्प (a) सही है]**
- केंद्र सरकार और उसकी विधायिका के पास वित्त, विदेश मामलों और संचार से संबंधित सीमित शक्तियां रहेंगी।विषयों के प्रबंधन के लिए वित्त जुटाने के लिए संघ के पास आवश्यक शक्तियां होंगी। संघ के विषयों को छोड़कर सभी विषय और सभी अवशिष्ट शक्तियां प्रांतों में निहित होंगी।

9. **उत्तर: (a)**

विकल्प (a) सही है: सितंबर 1946 में, बंगाल प्रांतीय किसान सभा ने सामूहिक संघर्ष के माध्यम से, तेभागा की बाढ़ आयोग की सिफारिशों को लागू करने का आह्वान किया। इसकी सिफारिश आधे हिस्से के बजाय दो-तिहाई हिस्सा बरगरदारों को दिए जाने की थी। बरगरदार बटाईदार होते थे जिन्हें बगचासी या अधयार के रूप में भी जाना जाता है। बरगरदार, जोतदारों से किराए की जमीन पर काम करते थे। कई शहरी छात्र मिलिशिया सहित कम्युनिस्ट कैडर, बरगरदारों को संगठित करने के लिए ग्रामीण इलाकों में गए। मुख्य नारा "निज खमारे धन तोलो" था, यानी बटाईदार धान को अपने स्वयं के थ्रेसिंग फ्लोर पर ले जा रहे थे, न कि पहले की तरह जोतदार के घर तक, ताकि तेभागा को लागू किया जा सके।

आंदोलन का प्रमुख केंद्र उत्तर बंगाल था, मुख्यतः राजबंशी, आदिवासी मूल की एक निम्न जाति के बीच। मुस्लिमों ने भी इसमें बड़ी संख्या में भाग लिया। लीग मंत्रालय द्वारा बरगरदारी विधेयक, एक तीव्र दमनकारी कानून, एक अलग बंगाल के लिए हिंदू महासभा के आंदोलन को लोकप्रिय बनाने और कलकत्ता में नए सिरे से दंगों के कारण, यह आंदोलन जल्द ही समाप्त हो गया, जिसने शहरी वर्गों से सहानुभूतिपूर्ण समर्थन की संभावनाओं को समाप्त कर दिया।

10. **उत्तर: (b)**

विकल्प (b) सही है: 8 अगस्त 1942 को, बॉम्बे में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सत्र में, गांधीजी ने 'भारत छोड़ो' आंदोलन शुरू किया और 'करो या मरो' का आह्वान किया। संवैधानिक गतिरोध को हल करने में क्रिप्स मिशन की असफलता ने संवैधानिक विकास के मुद्दे पर ब्रिटेन के अपरिवर्तित रूके को उजागर कर दिया था यह बात स्पष्ट हो गई भारतीयों की ज़्यादा समय चुप्पी उनके भविष्य की ब्रिटेन के हाथों में सौंपने के समान होगी।

भारत छोड़ो आंदोलन शुरू करने के अन्य कारण:

- बढ़ती कीमतों और भोजन की कमी के कारण लोगों में असंतोष था। जापानी आक्रमण के भय से ब्रिटेन ने असम ,बंगाल,उड़ीसा,में दमनकारी भू-नीति का सहारा लिया।
- दक्षिण पूर्व एशिया में ब्रिटेन की पराजय और शक्तिशाली ब्रिटेन के पतन के समाचार ने असंतोष को व्यक्त करने की इच्छाशक्ति भारतीयों में जगाई।
- नेतृत्व संभावित जापानी आक्रमण के लिए जनता को तैयार करना चाहता था।
- एक एशियाई शक्ति द्वारा एक यूरोपीय शक्ति की हार ने श्वेत प्रतिष्ठा को चकनाचूर कर दिया और दक्षिण-पूर्व एशिया में भारतीय प्रजा के प्रति ब्रिटिश व्यवहार ने शासकों के जातिवादी रवैये को उजागर कर दिया।

भारतीय छोड़ो आंदोलन और आंदोलन से पहले साइमन कमीशन (1927) की स्थापना के बाद वेवेल योजना (1945) और कैबिनेट मिशन (1946) पेश किए गए थे।

11. **उत्तर: (a)**

भारत छोड़ो आंदोलन में महिलाओं की भागीदारी:

- महिलाओं, विशेष रूप से स्कूल और कॉलेज की लड़कियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया, और इसमें अरुणा आसफ अली, सुचेता कृपलानी और उषा मेहता शामिल थीं।
- उषा मेहता ने सक्रिय रूप से भारत छोड़ो आंदोलन का समर्थन किया और कांग्रेस रेडियो चलाने वाले एक छोटे समूह की एक महत्वपूर्ण सदस्य थीं। **[विकल्प (a) सही है]**

unacademy.com | Download the Unacademy app
https://t.me/OTT_IAS (Type this name exactly to get free PCB12),
Give your feedback here: Link

10. उत्तर: (b)

महात्मा गांधी ने अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के बॉम्बे अधिवेशन में 'करो या मरो' का नारा बुलंद किया, जिससे भारत को बड़े पैमाने पर विद्रोह की शुरुआत हुई जिससे अंततः देश की स्वतंत्रता का मार्ग प्रशस्त हुआ। गांधीजी पिछले कई दशकों से विभिन्न स्तरों पर भारतीयों के आत्मनिर्णय के लिए प्रयासरत थे। हालांकि, 'भारत छोड़ो आंदोलन' का महत्व किसानों, छात्रों और निम्न मध्यम वर्ग को शामिल करने के लिए उनके समर्थन आधार को व्यापक बनाने में था।

- 8 अगस्त, 1942 को गांधीजी के सविनय अवज्ञा के आह्वान के बाद, महात्मा को सभी नेताओं के साथ कैद कर लिया गया, जिससे आंदोलन का नेतृत्व विहीन हो गया। किसी भी संगठित ढांचे के अभाव में लोग ब्रिटिश शासन के खिलाफ सबसे साहसी और स्वतःस्फूर्त विरोध प्रदर्शन में लगे रहे। [**विकल्प (b) सही नहीं है**]
- रेलवे लाइनें बाधित हुईं, पुलिस थानों को जला दिया गया और टेलीग्राफ सेवाएं नष्ट कर दी गईं। अंग्रेजों ने 'लाठी चार्ज' का इस्तेमाल करते हुए और सामूहिक गिरफ्तारी करते हुए जोरदार शब्दों में जवाबी कार्रवाई की।
- आंदोलन का एक पहलू जिसके बारे में शायद ही कभी बात की जाती है, वह है कि इसने महिलाओं को अपने घरों की दहलीज से बाहर निकलने और ब्रिटिश शासन के खिलाफ आवाज उठाने के लिए अभूतपूर्व तरीके से प्रोत्साहित किया। अधिकांश पुरुषों के सलाखों के पीछे होने के कारण, महिलाएं सड़कों पर उतरीं, नारे लगाती थीं, सार्वजनिक व्याख्यान और प्रदर्शन करती थीं, और यहां तक कि विस्फोटक बनाती और एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुँचाती थीं।

unacademy.com | Download the Unacademy app
https://t.me/OTT_IAS (Type this name exactly to get free PCB12),
Give your feedback here: Link

8 Development of Press, Education and Civil Services

1. **इनमें से कौन सेक्रेटरी के रूप में हिन्दू फीमेल स्कूल से संबद्ध थे/थीं, जो बाद में बेथ्यून फीमेल स्कूल के नाम से जाना जाने लगा? (2021)**

   (a) एनी बेसेंट

   (b) देवेन्द्रनाथ टैगोर

   (c) ईश्वरचंद्र विद्यासागर

   (d) सरोजिनी नायडू

2. **वुड्स डिस्पैच के संबंध में, निम्नलिखित में से कौन-से कथन सही हैं? (2018)**

   1. सहायता अनुदान प्रणाली शुरू की गई थी।
   2. विश्वविद्यालयों की स्थापना की सिफारिश की गई।
   3. शिक्षा के सभी स्तरों पर शिक्षा के माध्यम के रूप में अंग्रेजी की सिफारिश की गई।

   नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए:

   (a) केवल 1 और 2

   (b) केवल 2 और 3

   (c) केवल 1 और 3

   (d) 1, 2 और 3

3. **निम्नलिखित में से किससे/किनसे भारत में अंग्रेजी शिक्षा की नींव पड़ी? (2018)**

   1. 1813 का चार्टर अधिनियम
   2. जनरल कनेटी ऑफ पब्लिक इंस्ट्रक्शन, 1823
   3. प्राच्यविद् और आंग्लविद् विवाद

   नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए:

   (a) केवल 1 और 2

   (b) केवल 2

   (c) केवल 1 और 3

   (d) 1, 2 और 3

4. **भारत में औपनिवेशिक शासन के दौरान शैक्षणिक संस्थाओं के संदर्भ में, निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए: (2018)**

	संस्था	संस्थापक
1.	बनारस में संस्कृत कॉलेज	विलियम जोन्स
2.	कलकत्ता मदरसा	वारेन हेस्टिंग्स
3.	फोर्ट विलियम कॉलेज	आर्थर वेलेस्ली

   उपर्युक्त युग्मों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

   (a) केवल 1 और 2

   (b) केवल 2

   (c) केवल 1 और 3

   (d) केवल 3

unacademy.com | Download the Unacademy app
https://t.me/OTT_IAS (Type this name exactly to get free PCB12),
Give your feedback here: Link

8 Development of Press, Education and Civil Services-Explanation

1. उत्तर: (c)

विकल्प (c) सही है: ईश्वर चंद्र विद्यासागर (1820-1891) बंगाल पुनर्जागरण के स्तंभों में से एक थे, जो 1800 के दशक की शुरुआत में राजा राममोहन रॉय द्वारा शुरू किए गए सामाजिक सुधार आंदोलन को जारी रखने में कामयाब रहे। विद्यासागर एक प्रसिद्ध लेखक, बुद्धिजीवी और सबसे बढ़कर, मानवता के कट्टर समर्थक थे। उन्होंने 1849 में भारत में पहला स्थायी लड़कियों का स्कूल, बेथ्यून स्कूल स्थापित करने के लिए जॉन इलियट ड्रिंकवाटर बेथ्यून का समर्थन **किया। दिसंबर 1850 में, बेथ्यून ने ईश्वर चंद्र विद्यासागर को स्कूल के सचिव के रूप में नियुक्त किया।** 1856 में सरकार द्वारा हिंदू महिला स्कूल का प्रभार लिया गया, और फिर बाद में इसका नाम बदलकर बेथ्यून स्कूल कर दिया गया।

2. उत्तर: (a)

चार्ल्स वुड एक ब्रिटिश उदारवादी राजनीतिज्ञ और संसद सदस्य थे। उन्होंने 1846 से 1852 तक राजकोष के कुलाधिपति के रूप में कार्य किया। बाद में वे ईस्ट इंडिया कंपनी के नियंत्रण बोर्ड के अध्यक्ष बने। 1854 में, उनके द्वारा "वुड्स डिस्पैच" गवर्नर जनरल लॉर्ड डलहौजी को भेजा गया था। इस दस्तावेज़ को "भारत में अंग्रेजी शिक्षा का मैग्ना कार्टा" माना जाता है।

कथन 1 सही है: इस वुड्स डिस्पैच के अनुसार संबद्ध निजी स्कूलों को सहायता अनुदान के प्रावधान के साथ प्रत्येक प्रांत में एक शिक्षा विभाग स्थापित किया जाना था।

कथन 2 सही है: वुड्स डिस्पैच ने लंदन विश्वविद्यालय के मॉडल पर कलकत्ता, बॉम्बे और मद्रास के प्रेसीडेंसी शहरों में तीन विश्वविद्यालयों की स्थापना की भी सिफारिश की।

कथन 3 सही नहीं है: यह अंग्रेजी के साथ-साथ भारतीय क्षेत्रीय भाषाओं और अरबी, फारसी और संस्कृत जैसी शास्त्रीय भाषाओं के अध्ययन को भी बढ़ावा देना चाहता था। इसने शिक्षा के सभी स्तरों पर अंग्रेजी को शिक्षा के माध्यम के रूप में अनुशंसित नहीं किया, केवल उच्च अध्ययन के लिए इसकी सिफारिश की गई थी।

निरसन तकनीक: वुड्स डिस्पैच ने उच्च शिक्षा के लिए शिक्षा के माध्यम के रूप में अंग्रेजी की सिफारिश की। **कथन 3** हटा दिया गया है। इस प्रकार, विकल्प (a) सही उत्तर है।

3. उत्तर: (d)

विकल्प (d) सही है: भारत में अंग्रेजी शिक्षा की की नींव सबसे पहले 1813 के चार्टर अधिनियम तथा प्राच्यविद् और आंग्लविद् विवाद द्वारा सामने रखी गई थी। फिर 1823 में, गवर्नर-जनरल-इन काउंसिल ने "जनरल कनेटी ऑफ पब्लिक इंस्ट्रक्शन" नियुक्त की, जिसके पास शिक्षा के लिए एक लाख रुपये देने की जिम्मेदारी थी। उस समिति में दस यूरोपीय सदस्य थे , लॉर्ड मैकाले इस समिति के अध्यक्ष थे।

4. उत्तर: (b)

युग्म 1 सही सुमेलित नहीं है: वॉरेन हेस्टिंग्स, विलियम जोन्स और जोनाथन डंकन जैसे भारत में ब्रिटिश प्रशासकों की पहली पीढ़ी ने इस विचार को लोकप्रिय बनाया कि भारत का एक गौरवशाली अतीत था जो बाद में खराब हो गया था। इन विद्वानों और प्रशासकों को प्राच्यविद् कहा जाता था। वे भारतीय भाषाओं और परंपराओं को सीखने और प्रचार करने के इच्छुक थे। उन्होंने सोचा था कि, इससे भारत की बेहतर समझ हासिल हो सकेगी जो अंततः इस देश पर उनके शासन को मजबूत करने में सहायक उपाय सिद्ध होगा। इसलिए, 1794 में, जोनाथन डंकन ने बनारस में संस्कृत कॉलेज की स्थापना की।

युग्म 2 सही सुमेलित है: वारेन हेस्टिंग्स ने फारसी और अरबी के अध्ययन और सीखने के लिए 1781 में कलकत्ता मदरसा की स्थापना की। ऐसा अंग्रेजों द्वारा "मूल निवासियों" के दिलों में जगह बनाने के लिए किया गया ; तभी विदेशी शासक यह उम्मीद कर सकते थे कि प्रजा उनका सम्मान करेगी।

युग्म 3 सही सुमेलित नहीं है: स्थानीय ब्रिटिश प्रशासकों को भारतीय संस्कृति और परंपरा से परिचित कराने की तीव्र इच्छा थी। भारत में सिविल सेवा के लिए युवा ब्रिटिश रंगरूटों को प्रशिक्षित करने के लिए 1801 में रिचर्ड वेलेस्ली द्वारा स्थापित फोर्ट विलियम कॉलेज मुख्य रूप से इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए था। यह कॉलेज भारत के बारे में और उसके बारे में ज्ञान सृजित करने का एक महत्वपूर्ण केंद्र बन गया। इसमें कई विभाग विशेष रूप से भारतीय भाषाओं और साहित्य पर शोध के लिए समर्पित थे।

unacademy.com | Download the Unacademy app
https://t.me/OTT_IAS (Type this name exactly to get free PCB12),
Give your feedback here: Link